



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 79 ग्वालियर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

एमवाय अस्पताल में प्रदेश का पहला पेट-सीटी स्कैन सेंटर शुरू, निजी अस्पतालों के मुकाबले आधे से भी कम खर्च में होगी जांच

अब कैंसर जांच के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ेगा, आयुष्मान कार्डधारकों को मुफ्त सुविधा

इंदौर जीएनएस
प्रदेश के कैंसर मरीजों को अब पेट-सीटी स्कैन जांच के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ेगा। इंदौर के एमवाय अस्पताल के नवनिर्मित कैंसर भवन में प्रदेश का पहला पेट-सीटी स्कैन सेंटर शुरू किया गया है। यहां सरकारी अस्पतालों के मरीजों की जांच अधिकतम 9 हजार रुपए में हो सकेगी, जबकि निजी केंद्रों पर इसके लिए 20 से 25 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र कैंसर मरीजों को यह सुविधा निशुल्क मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू हुई इस सुविधा

से मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी। अब तक पेट-सीटी स्कैन की सुविधा के अभाव में कई मरीजों को मुंबई जाना पड़ता था। इससे जांच के खर्च के अलावा यात्रा, ठहरने और परिजनों के आने-जाने पर भी अतिरिक्त राशि खर्च होती थी। इंदौर में जांच होने से समय और पैसे दोनों की बचत होगी। जांच रिपोर्ट जल्दी मिलने से उपचार शुरू करने में भी मदद मिलेगी।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि यह सेंटर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर संचालित होगा। मध्यप्रदेश सरकार ने इसके लिए निविदा जारी की थी और दस साल का अनुबंध



किया गया है। लगभग 15 करोड़ रुपए की मशीन सहित अन्य संसाधनों, कर्मचारियों और बिजली आदि का खर्च श्री अरविंदो अस्पताल के संस्थापक डॉ. विनोद भंडारी वहन करेंगे। मेडिकल कॉलेज ने सेंटर के लिए पांच हजार वर्गफुट जगह उपलब्ध

कराई है।

डॉ. भंडारी ने कहा कि वे एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र हैं और इस संस्थान से मिली शिक्षा के प्रति अपना दायित्व निभाते हुए कैंसर मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध कराना चाहते हैं। उन्होंने अपने गुरु डॉ. सीपी तिवारी

की स्मृति में एमवाय अस्पताल में विश्वस्तरीय मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर बनाने की घोषणा भी की। उन्होंने इसे तीन महीने में तैयार कर सौंपने का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के चार अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी इसी तरह के अत्याधुनिक सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। इनमें भोपाल का गांधी मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर का गजराजा मेडिकल कॉलेज, जबलपुर का नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज और रीवा का श्याम शाह मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।

कैंसर की पहचान और उपचार में अहम जांच : पेट-सीटी स्कैन एक आधुनिक जांच है, जिसमें पीईटी स्कैन और सीटी

स्कैन तकनीकों का संयुक्त उपयोग किया जाता है। पीईटी स्कैन शरीर की कोशिकाओं की गतिविधियों का पता लगाता है, जबकि सीटी स्कैन आंतरिक अंगों की विस्तृत तस्वीरें उपलब्ध कराता है। दोनों तकनीकों से कैंसर की पहचान, उसके फैलाव और उपचार के प्रभाव का आकलन करने में मदद मिलती है।

इस जांच का उपयोग कैंसर शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलने, कीमोथेरेपी के असर और उपचार के बाद बीमारी दोबारा होने की आशंका का पता लगाने के लिए भी किया जाता है। कुछ विशेष परिस्थितियों में हृदय और मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों के मूल्यांकन में भी यह उपयोगी हो सकती है।



मानस भवन में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, सुधीर गुप्ता ने लिया आशीर्वाद

ग्वालियर जीएनएस।
मानस भवन में रविवार को बंगाली सोशल कल्चर सोसायटी की ओर से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और आरती की गई। इस अवसर पर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने मां दुर्गा की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में बंगाली समाज के अध्यक्ष तपन दास, उपाध्यक्ष के.डी. विश्वास सहित सोसायटी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में धर्मप्रेमीजन उपस्थित रहे। सभी ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मृतकों के परिजनों को छह लाख रुपये की सहायता, घायलों का निशुल्क उपचार ग्वालियर हादसे पर पीएम-सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान, राहुल गांधी ने जताया दुख



ग्वालियर जीएनएस
शीतला माता मंदिर के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत और 29 लोगों के घायल होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये, गंभीर घायलों को दो-दो लाख और अन्य

घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता देने के निर्देश दिए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने घायलों का निशुल्क उपचार सुनिश्चित करने को कहा है।
कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला और सांसद भारत सिंह



कुशवाह ने जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों को बेहतर उपचार और समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। नेताओं ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।
प्रवीण पाठक ने उठाए सवाल : पूर्व विधायक प्रवीण पाठक ने ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर

घायलों की जानकारी ली और पोस्टमार्टम हाउस में मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को रास्ते में कई जगह जांच के लिए रोका जाता है, तो भारी ट्रक मंदिर तक कैसे पहुंच गया। उन्होंने हादसे के जिम्मेदारों पर बिना राजनीतिक हस्तक्षेप सख्त कार्रवाई करने और जवाबदेही तय करने की मांग की।

शीतला माता मंदिर हादसा घायलों के इलाज के लिए विशेष चिकित्सकीय टीम तैनात करने के निर्देश



संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने को कहा

ग्वालियर जीएनएस
शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना के बाद संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को प्रभावित लोगों की तत्काल मदद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जयारोग्य अस्पताल (जेएएच) प्रबंधन से चर्चा कर घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके इलाज के लिए

विशेष चिकित्सकीय टीम तैनात करने को कहा है। संभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि घायलों के उपचार की 24 घंटे निगरानी की जाए, ताकि उन्हें समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने जिला प्रशासन को राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार दुर्घटना से प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है।

कहानी बदलाव की: श्रीमती रेखा जाटव ने आजीविका मिशन के सहयोग से बनाई नई पहचान, 15 दीदियों को जोड़कर शुरू किया कंचन उत्पादक समूह

जिले से मिली 2.37 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से खरीदा 70 क्विंटल गेहूं, लघु उद्योग सखी के रूप में अन्य महिलाओं को बना रही व्यापारी शिवपुरी, जीएनएस।

मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिले के ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के जीवन में सामाजिक और आर्थिक स्वावलंबन का नया उजाला फैला रहा है। शिवपुरी जिले के ग्राम बरखाड़ी की रहने वाली श्रीमती रेखा जाटव की सफलता की कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि सही अवसर और शासकीय प्रोत्साहन मिले, तो ग्रामीण महिलाएं सामूहिक शक्ति के बल पर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख सकती हैं।

ग्राम बरखाड़ी निवासी श्रीमती

रेखा जाटव का जीवन पहले सीमित घरेलू जिम्मेदारियों और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच गुजर रहा था। ग्रामीण पृष्ठभूमि में आजीविका के स्थाई अवसरों और पूंजी के अभाव के कारण उन्हें अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और खुद को स्थापित करने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता था।

आजीविका मिशन से मिला संबल और संगठनात्मक नेतृत्व

विपरीत परिस्थितियों के बीच श्रीमती रेखा जाटव मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लोदी माता स्वसहायता समूह से जुड़ीं। अपनी लगन और सक्रियता के बल पर वे ग्राम संगठन में कोषाध्यक्ष चुनी गईं। इसके उपरांत, उन्हें दमयंती महिला समुदाय समिति में लघु उद्योग सखी



का दायित्व सौंपा गया। समूह से मिले इस संगठनात्मक अनुभव और प्रशिक्षण ने उन्हें महिलाओं को एक सूत्र में पिरोने और व्यावसायिक दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान किया।

2.37 लाख रुपये का मिला सहयोग, पहली बार

खरीदा 70 क्विंटल गेहूं महिलाओं को व्यापार से जोड़ने के उद्देश्य से श्रीमती रेखा जाटव की पहल पर 5 स्वयं सहायता समूहों को मिलाकर कंचन उत्पादक समूह (उत्पादन समूह/पीजी रूप) का गठन किया गया, जिसमें 15 दीदियां एक साथ

मिलकर कार्य कर रही हैं। समूह के इस व्यावसायिक नवाचार हेतु जिला प्रशासन व आजीविका मिशन के माध्यम से ₹2,37,000 की पहली वित्तीय राशि प्राप्त हुई। इस पूंजी का बेहतर नियोजन करते हुए समूह ने पहली बार में 70 क्विंटल गेहूं की खरीद कर अपना थोक व्यापार एवं प्रसंस्करण कार्य शुरू किया।

महिलाओं को व्यापारी के रूप में स्थापित कर बनीं प्रेरणा का स्रोत श्रीमती रेखा जाटव का उद्देश्य केवल स्वयं कमाना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की सभी बहनों को व्यापारी के रूप में स्थापित करना है। बरखाड़ी से शुरू हुई इस पहल को वे आसपास के अन्य गांवों में भी विस्तारित कर रही हैं। आज 15 दीदियां कंचन उत्पादक समूह के माध्यम से एक साथ जुड़कर

संगठित व्यापार कर रही हैं, जिससे उनके परिवारों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है और वे समाज में सम्मानजनक स्थान हासिल कर रही हैं। श्रीमती रेखा समता सखी के रूप में भी कार्य कर रही हैं और कई महिलाओं का मार्गदर्शन कर रही हैं। श्रीमती रेखा जाटव कहती हैं कि मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने उनके जीवन को एक नई दिशा, वित्तीय मजबूती और समाज में सम्मानजनक पहचान दी है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने वाली इन जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मध्य प्रदेश शासन तथा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की समय-सारणी घोषित; 4 जनवरी 2027 को होगा अंतिम प्रकाशन

शिवपुरी, जीएनएस।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम तय कर दिया गया है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने आयोग के निर्देशों के परिपालन में प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आवश्यक तैयारियां व कार्यवाही समय-सीमा में सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं।

पुनरीक्षण कार्यक्रम की

प्रमुख तिथियां

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदान केंद्रों के पुनर्गठन से लेकर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक की गतिविधियों हेतु समय-सारणी निर्धारित की गई है। जिसमें 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन किया जाएगा। 12 नवंबर 2026 को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन किया जाएगा। 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक मतदाता सूची के संबंध में आम नागरिकों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। 28 दिसंबर 2026 तक प्राप्त सभी

दावों एवं आपत्तियों का निराकरण संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाएगा तथा 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संपन्न कराया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने से वंचित न रहे।

सकारात्मक कंटेंट के साथ इंफ्लुएंसर समाज को सही दिशा दे सकता है: डॉ. पाठक

ग्वालियर, जीएनएस।

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ग्वालियर में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वावधान एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश कुमार अग्रवाल के संरक्षण में आज दिनांक 17 अक्टूबर 2026 को समाज को दिशा देने में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की भूमिका विषय पर एक वर्कशॉप कक आयोजन किया गया।

वर्कशॉप में प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ रवि शंकर पाठक ने वर्तमान में सोशल मीडिया पर सक्रिय विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक और सही संदेश देकर



युवाओं को सही दिशा देने में इंफ्लुएंसर की भूमिका को बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर स्वस्थ सामग्री का निर्माण कैसे करें, विषय का चयन कैसे करें जो समाज को सही दिशा देने के साथ ही राष्ट्र उत्थान में सहायक हो।

अपने उद्बोधन में परीक्षा प्रभारी डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि हमारे युवा अपने छोटे छोटे प्रयासों

से समाज को अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित कर सकते हैं जो राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ ज्योत्सना राजपूत ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ सुशील सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ अशोक कुमार एवं अन्य प्रध्यापकगण उपस्थित हुए।

शिवपुरी में यूडाईस+ पोर्टल एवं पीजीआई इंडेक्स पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित; आंकड़ों की शुद्धता पर जोर

शिवपुरी, जीएनएस।

जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं शैक्षणिक आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फोल्ड अधिकारियों के लिए यूडाईस+ पोर्टल एवं परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन स्थानीय हैप्पी डेज स्कूल, शिवपुरी में किया गया। यह कार्यशाला जिला मिशन संचालक

एवं कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विजय राय के मार्गदर्शन में तथा जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों, विद्यालयीन संसाधनों एवं शैक्षणिक उपलब्धियों से संबंधित जानकारी की सही

प्रविष्टि, सत्यापन तथा निर्धारित समय-सीमा में डेटा अद्यतन करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रोग्रामर श्री जुगराज सिंह प्रजापति, एमआईएस कोऑर्डिनेटर श्री बृजेश गोलिया एवं श्री हेमंत खटीक द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से उपस्थित अधिकारियों को तकनीकी प्रक्रिया का प्रशिक्षण और प्रेजेंटेशन दिया गया। कार्यशाला में डीपीसी श्री दफेदार सिंह सिकरवार, जिला

प्रोग्रामर श्री जुगराज सिंह प्रजापति, एडीपीसी श्री राजा बाबू आर्य, एपीसी श्री अतर सिंह राजौरिया, श्री मुकेश पाठक, श्री हरीश शर्मा एवं सहायक यंत्री श्री सतीश निगम ने सभी विकासखंडों के बीईओ, बीआरसीसी, बीएससी, एमआईएस कोऑर्डिनेटर, लेखापाल, एईओ, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी, एमआरसी और डेटा एंट्री ऑपरेटरों को स्पष्ट निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कहा कि पोर्टल पर दर्ज होने वाली जानकारी पूरी तरह प्रामाणिक और त्रुटिरहित होनी चाहिए, क्योंकि गलत या अपूर्ण आंकड़ों से शैक्षणिक मूल्यांकन प्रभावित हो सकता है। सभी संबंधित अधिकारी अभिलेखों के आधार पर डेटा का सूक्ष्म सत्यापन सुनिश्चित करें। कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने की ह्यूमन रंगोली की सराहना

श्रयोपुर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने श्रयोपुर जिले में गत दिवस बनाई गई ह्यूमन रंगोली की सराहना करते हुए गू पर पोस्ट किया है कि प्रोजेक्ट चीता के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महिलाओं और छात्राओं द्वारा ह्यूमन रंगोली के माध्यम से भारतीय मादा चीता मुखी की विशाल प्रतिकृति बनाना अद्भुत और प्रेरणादायी है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नारी शक्ति की इस अनूठी पहल को उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के प्रतिबद्धता और जनभागीदारी का प्रतीक बताया।

सफलता की कहानी: भावना को मिले विश्वास के पहिए...

ग्वालियर, जीएनएस।

जिस रास्ते पर रोज स्कूल जाना भावना के लिए चुनौती था, वही रास्ता अब उसे सपनों की मंजिल तक ले जाएगा। रौरा के शासकीय हाईस्कूल में 9वीं कक्षा में अध्ययनरत दिव्यांग बालिका कु. भावना पाल ने जब -मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान- के शिविर में अपनी परेशानी रखी, तो उसे सिर्फ सुना ही नहीं गया, उसका समाधान भी हुआ। कलेक्टर श्रीमती रुचिका

चौहान की पहल पर शिविर में ही उसका दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बना और कुछ ही दिनों बाद उसे मोटराइज्ड ट्राइस्किल भी मिल गई। जब विभागीय अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर उसे यह ट्राइस्किल सौंपी, तो भावना की आँखें खुशी से छलक उठीं। यह सिर्फ एक वाहन नहीं था, यह उस भरोसे की जीत थी जो शासन और आम नागरिक के बीच -जन-विश्वास- के रूप में मजबूत हो रहा है -मुख्यमंत्री जन-



विश्वास अभियान- के तहत जब रौरा गाँव में जिला स्तरीय शिविर लगा, तो कु. भावना पाल ने हिम्मत जुटाकर अपनी व्यथा कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के सामने रखी। भावना की बात सुनकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शिविर में मौजूद मेडीकल बोर्ड के माध्यम से मौके पर ही भावना का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवा दिया। साथ ही सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के

अधिकारियों को उसे मोटराइज्ड ट्राइस्किल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गत शुक्रवार को विभागीय अधिकारी स्वयं रौरा के स्कूल पहुंचे और भावना को मोटराइज्ड ट्राइस्किल सौंपी। अपनी नई ट्राइस्किल को सामने देखकर भावना की आँखें नम हो गईं। उसके चेहरे की मुस्कान बता रही थी कि यह सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि उसके आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की सवारी है। भावना ने भावुक

होकर कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हम जैसे जरूरतमंदों की मदद करने के उद्देश्य से जन-विश्वास शिविर लगवा रहे हैं। अब हम आसानी से स्कूल पहुँचकर सुचारू रूप से अपनी पढ़ाई कर सकेंगे। ग्रामवासियों का कहना था कि भावना को मिली सहायता इस बात का प्रमाण है कि -मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान- केवल एक शिविर नहीं, बल्कि आमजन और शासन के बीच भरोसे का सेतु है।

ग्वालियर व्यापार मेले में ऑनलाइन होगा दुकानों का आवंटन, प्रक्रिया जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला वर्ष 2026-27 में दुकानों का आवंटन ऑनलाइन किया जाएगा। मेले का आयोजन 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक होगा। दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। जिन दुकानदारों को पोर्टल पर अपनी दुकान प्रदर्शित नहीं होने या आवंटन संबंधी कोई समस्या है, वे 31 अक्टूबर 2026 तक मेला

कार्यालय में आवेदन देकर उसका निराकरण करा सकते हैं।

मेला प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया 9 अक्टूबर 2026 से शुरू हो चुकी है। इस दौरान प्रथम चरण में ऑटोमोबाइल सेक्टर, झूला सेक्टर और पक्की दुकानों के लिए आवेदन एवं आरक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन दुकानों के लिए नियमानुसार आवेदन करने की प्रक्रिया जारी है। द्वितीय चरण में अस्थायी टीन की दुकानों, चबूतरा सेक्टर, सी

सेक्टर, एसटी सेक्टर और एनएससी सेक्टर सहित अन्य सेक्टर की शेष दुकानों के लिए 17 अक्टूबर 2026 से ऑनलाइन पोर्टल खुलेगा। मेला सचिव ने बताया कि वर्ष 2024-25 तक आरक्षण की प्रक्रिया में शामिल दुकानदारों और व्यापारियों को वर्ष 2026-27 के मेले के लिए पात्र माना गया है। कई वर्षों से मेले में दुकान लगाने वाले कुछ दुकानदारों और व्यापारियों की दुकानें ऑनलाइन प्रक्रिया में अभी प्रदर्शित नहीं हो रही हैं। ऐसे दुकानदारों और

व्यापारियों को अपनी दुकान की स्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। सभी सेक्टरों की आरक्षित दुकानों की जानकारी एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है।

यदि किसी दुकानदार की दुकान पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रही है, तो वह 31 अक्टूबर 2026 तक मेला कार्यालय में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। इससे संबंधित समस्या का परीक्षण कर उसका निराकरण किया जा सकेगा। निर्धारित समय सीमा में

प्राप्त आवेदनों पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा, वर्ष 2025-26 की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दुकानदारों और व्यापारियों को भी राशि जमा करने की सलाह दी गई है। इसमें कवर्ड एरिया, अतिरिक्त विद्युत भार और निर्धारित समय के बाद दुकान लगाने पर लगने वाली पेनल्टी सहित अन्य बकाया राशि शामिल है। बकाया राशि जमा करने के बाद ही संबंधित दुकानदारों को वर्ष 2026-27 के मेले में ऑनलाइन दुकान आवंटन की पात्रता मिल

सकेगी। मेला प्राधिकरण ने दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की है कि वे समय सीमा का ध्यान रखते हुए ऑनलाइन आवेदन करें, बकाया राशि जमा करें और दुकान आवंटन से जुड़ी किसी भी समस्या का निराकरण निर्धारित अवधि में करा लें। मेले के कला मंदिर रंगमंच में भी ऑनलाइन दुकान आवंटन की व्यवस्था की गई है। बकाया राशि जमा होने के बाद ही संबंधित दुकानदारों की पात्रता सुनिश्चित की जाएगी।

दिव्यांग जन एवं वृद्ध जनो को कृत्रिम अंग उपकरण वितरण शिविर में जौहरी को किया सम्मानित

ग्वालियर, जीएनएस।

विगत रोज महाराज बाड़ा स्थित गजराजा राजा कन्या विद्यालय में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण मंत्रालय राज्य शासन में केबिनेट मंत्री माननीय श्री नारायण सिंह कुशवाह जी की विशेष पहल पर समाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग, नगर निगम जनकल्याण विभाग, एवं ग्वालियर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, रमन शिक्षा समिति, भारत सरकार का उपक्रम एलिमको और ब्रह्मकुमारी संस्था के सहयोग से दिव्यांग जन एवं वृद्ध जनो को सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया।

जिसमें विशेष आमंत्रित अतिथि बतोर वरिष्ठ समाजसेवी और राष्ट्रीय शसक्त आत्मनिर्भर ट्रस्ट नई दिल्ली के राष्ट्रीय सलाहकार एवं आर टी आई ऐक्टिविस्ट श्री अनूप जौहरी जी द्वारा निस्वार्थ भाव से काफी समय से हर पीड़ित मानवता पूर्ण समर्पित होकर अपने समर्पण भाव से सेवा करते आ रहे हैं जौहरी जी की इसी उदार वाली सोच की सराहना करते हुए आज के आयोजित कार्यक्रम में रमन शिक्षा समिति के अध्यक्ष माननीय श्री हरी ओम गौतम जी, पार्षद श्री



अनिल सांखला जी, पार्षद श्री मोहित जाट जी, पार्षद श्री संजीव पोतनीस जी, पार्षद श्री अजय तिवारी जी ब्रह्मकुमारी संस्था के संचालक श्री वी के प्रहलाद जी द्वारा जौहरी जी को पुष्पहार पहनाते हुए गर्म शोल पहना कर श्री फल भेंटकर सम्मानित किया गया। इस विशेष मौके पर, गजराजा राजा कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल, राज्य सरकार में केबिनेट मंत्री माननीय नारायण सिंह कुशवाह जी के प्रतिनिधि श्री मनोज भार्गव जी, सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक, हिमांशु माहोर, आकाश, राम कुमार मीणा, जनकल्याण विभाग की समग्र अधिकारी श्रीमती पूर्वी अग्रवाल, एलिमको से स्वाती अग्रवाल, अभिषेक जी, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र प्रभारी श्री गिरीश पाल, पुनर्वास केंद्र के लेखाकार आशीष शर्मा, विक्रांत अवस्थी, आकांक्षा गुप्ता, श्रीमती मूंदड़ा मेडम आदि उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सांसद का पालिका अध्यक्ष ने किया भव्य स्वागत

जालौन, जीएनएस।

भाजपा पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष तथा सांसद के जनपद झांसी आगमन पर पालिका अध्यक्ष ने पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण कर अभूतपूर्व स्वागत किया।

शुक्रवार के दिन भाजपा पार्टी लखनऊ कार्यालय से पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सांसद प्रकाश पाल अमला के साथ जैसे ही अमलतास तिराहा कालपी में आए उनके स्वागत के लिए पहले से मौजूद नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव ने अपने



साथियों के साथ माल्यार्पण स्वागत किया वही स्वागत पाकर प्रदेश अध्यक्ष गदगद हुए मौजूद अध्यक्ष एवं पार्टी के जिम्मेदार लोगों के

दुख दर्द को जाना तथा उन्होंने कहा कि सभी पार्टी के जिम्मेदार लोग संगठित होकर पार्टी को दिनों दिन मजबूत करने में सदैव अग्रसर रहें

यदि आप लोगों को कोई समस्या आए तो तत्काल मुझे बताएं आपकी सेवा के लिए सदैव समर्पित रहूंगा स्वागत करने वालों में चेयरमैन प्रतिनिधि रविंद्र यादव आशीष यादव सभासद प्रतिनिधि आशू बाबा अनुसूचित मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सभासद रवींद्र कोरी सभासद प्रतिनिधि शिवा बुंदेला धर्मेन्द्र पाल अशोक बाजपेई अमरदीप पांडेय दिग्विजय सिंह अंकित सिंह शरद तिवारी अंजनी सोनी अरुण सोनी धर्मेन्द्र सोनी बबूआ राजावत वीरू सविता हर्ष ओमराम पुरवार पुनीत पुरवार आदि लोग मौजूद थे।

पालिका अध्यक्ष ने रामकिशन ज्वैलर्स दुकान का किया उद्घाटन

जालौन, जीएनएस।

शुक्रवार के दिन कालपी सराफा बाजार स्थित ज्वैलर्स की दुकान का नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव ने प्रोपराइटर नरेश गुप्ता बेबू सेठ तथा गणमान्य लोगों की एवं दुकानदारों की मौजूदगी में फीता काटकर उद्घाटन किया उद्घाटन समारोह में पालिका अध्यक्ष यादव ने कहा कि ग्राहकों को आभूषण खरीदने के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा कानपुर रेट पर नई दुकान पर सोने चांदी के आभूषण मिलेंगे उन्होंने कहा कि मैं



दुकानदार के मुखिया को बधाई देते हुए कहा कि घर के पुत्र को रोजगार खुलवाकर जो जिम्मेदारी सौंपी है जिससे संचालन करने से पूरे परिवार का भरण पोषण हो सकता है इसीलिए परिवार के मुखिया को

अपने पुत्रों के लिए परिवार चलाने के लिए कोई भी कार्य सौंपने के लिए पुरजोर आवाहन किया उन्होंने कहा कि परिवार मुखिया ने एक नेक कार्य कर अपने पुत्र को जिम्मेदारी दी है उन्होंने कहा दुकानदार आने

वाले ग्राहकों के साथ मधुर वाणी का प्रयोग कर अपनी दुकान का संचालन कर दिनों दिन दुकान की बढ़ोतरी करने में कोई कोर कसर न छोड़ें इतना भी नहीं जो दायित्व सौंपा है उस दायित्व में दुकानदार सदैव खरे उतरने के लिए पुरजोर आवाहन किया उद्घाटन के समय मौजूद सराफा व्यापारी देवेंद्र यादव समाजसेवी राजेंद्र यादव सभासद प्रतिनिधि धर्मेन्द्र पाल सभासद प्रतिनिधि शिवा बुंदेला आशू बाबा अरुण सोनी धर्मेन्द्र सोनी आदि लोग उपस्थित थे।

मनोज शास्त्री प्रांतीय अध्यक्ष, रामअवतार पाठक बने कार्यकारी अध्यक्ष

ग्वालियर, जीएनएस।

मध्य क्षेत्रीय ब्राह्मण सभा के निर्वाचन में मनोज शास्त्री को निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष और रामअवतार पाठक को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन के बाद शुक्रवार को दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारी लक्ष्मीगंज स्थित वरिष्ठ समाजसेवी सतीश पाठक के निवास पर पहुंचे और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान सतीश पाठक ने दोनों

पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष मनोज शास्त्री ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब युवा मानसिक रूप से मजबूत, शारीरिक रूप से स्वस्थ, शैक्षणिक रूप से सक्षम और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण हों। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता आने वाली पीढ़ी को सशक्त बनाना है, ताकि युवा



समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस मौके पर पदम नारायण शर्मा, देवेंद्र मरैया, धर्मेन्द्र

राजोरिया, सौरभ तिवारी, राजू उपाध्याय और श्याम भार्गव सहित अन्य लोग मौजूद थे। समाज के जरूरतमंद परिवारों को आगे लाने

पर जोर मनोज शास्त्री ने कहा कि समाज को एक सूत्र में बांधना, पिछड़े और जरूरतमंद परिवारों को आगे लाना तथा सेवा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी को संगठन की पहचान बनाना उनके प्रमुख संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि संगठन का लक्ष्य प्रत्येक परिवार को सम्मान, हर युवा को अवसर, हर प्रतिभा को प्रोत्साहन और प्रत्येक जरूरतमंद को सहारा उपलब्ध कराना होना चाहिए।

भिण्ड-गोस्मी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
SCAN TO SHOP
Har Khushi Ki Pahali Pasand
Soya Chunks, PASTA, POHA, MAACHA, ATTA
OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

अनुशासन नाजुक होता है, उसे संभालना जरूरी

अनुशासन किसी भी व्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन इसे बनाए रखना आसान नहीं होता। हाल ही में बद्रीनाथ की यात्रा के दौरान ज्योतिर्मठ के पास एक संकरी सड़क पर ऐसा अनुभव हुआ, जिसने अनुशासन की नाजुकता को उजागर कर दिया।

पहाड़ी रास्ते पर जाम से बचने के लिए वाहनों को एक-एक करके कतार में आगे बढ़ाया जा रहा था। शुरुआत में सभी चालक नियमों का पालन कर रहे थे। लेकिन तभी एक कार चालक ने अश्लील होकर कतार तोड़ने की कोशिश की। देखते ही देखते कई अन्य वाहन भी उसके पीछे चल पड़े। परिणाम यह हुआ कि दोनों दिशाओं से आने वाले वाहन आपस में उलझ गए और सुचारु यातायात भीषण जाम में बदल गया।

जब एक चालक को नियम तोड़ने से रोकने का प्रयास किया गया, तो उसका जवाब था, 'जब सब लोग नियम तोड़ रहे हैं, तो मैं ही नियम मानने वाला क्यों बनूँ?' इस तर्क ने समस्या की जड़ सामने रख दी। कई लोग नियमों का पालन अपने सिद्धांतों के कारण नहीं, बल्कि इसलिए करते हैं कि दूसरे भी ऐसा कर रहे होते हैं। जैसे ही कोई नियम तोड़ता है, बाकी लोग भी उसका अनुसरण करने लगते हैं।

यह व्यवहार केवल सड़कों तक सीमित नहीं है। कार्यस्थलों पर भी लोग अक्सर समय रहते काम शुरू करने के बजाय अंतिम क्षणों तक इंतजार करते हैं। पर्याप्त समय होने के बावजूद प्रस्तुतियों और जरूरी दस्तावेजों को तैयार करने में आखिरी समय पर अफरातफरी मच जाती है। इसे कई बार मेहनत और समर्पण का प्रमाण मान लिया जाता है, जबकि समय से योजना बनाकर काम पूरा करना अधिक समझदारी का परिचायक है।

जल्दबाजी में गलतियां होने, निर्णय प्रभावित होने और अनावश्यक तनाव पैदा होने की आशंका बढ़ जाती है। जिन समस्याओं से पहले ही बचा जा सकता था, उनसे निपटने में समय और ऊर्जा दोनों खर्च होते हैं।

इस प्रवृत्ति के पीछे तत्काल सुविधा और कम प्रयास की चाह होती है। व्यक्ति उस रास्ते को चुनता है, जो उस समय आसान दिखाई देता है। लेकिन तात्कालिक आराम कई बार आगे चलकर बड़ी परेशानी बन जाता है। चाहे सड़क पर नियम तोड़ना हो या कार्यस्थल पर काम टालना, छोटी-सी लापरवाही पूरी व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है।

अनुशासन बनाए रखने के लिए कुछ सिद्धांत अपनाना जरूरी है। सबसे पहले, दूसरों को दोष देने के बजाय अपने कार्यों की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। दूसरा, तत्काल संतुष्टि के बजाय दीर्घकालिक लाभ को प्राथमिकता देनी चाहिए। तीसरा, समय रहते योजना बनाकर काम शुरू करना चाहिए और संभावित बाधाओं के लिए तैयारी रखनी चाहिए।

इसके साथ ही यह समझना जरूरी है कि चरित्र और प्रतिष्ठा बनाने में वर्षों लगते हैं, लेकिन एक गलत निर्णय उन्हें क्षति पहुंचा सकता है। इसलिए किसी भी कदम को उठाने से पहले उसके परिणामों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

अनुशासन का अर्थ केवल बाहरी नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि तब भी सही काम करना है, जब दूसरे लोग ऐसा न कर रहे हों। यदि हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि दूसरे नियम तोड़ रहे हैं, इसलिए उसे भी ऐसा करने का अधिकार है, तो कोई व्यवस्था लंबे समय तक सुचारु नहीं रह सकती। दार्शनिक प्लेटो का विचार है कि सबसे पहली और सबसे बड़ी विजय स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

त्योहार, परिवार और मन की शांति

डॉ. विजय गर्ग

त्योहार हमारे जीवन में खुशियों, उमंग और उत्साह के रंग भरते हैं। ये परिवार के सदस्यों को करीब लाने, मित्रों से मिलने, परंपराओं को जीवित रखने और सुंदर यादें संजोने के अवसर होते हैं। दीपावली, दशहरा, होली, ईद, क्रिसमस या कोई अन्य उत्सव, सभी हमें प्रेम, एकता, कृतज्ञता और आशा का संदेश देते हैं। लेकिन त्योहारों की तैयारियों, खरीदारी, सामाजिक जिम्मेदारियों और दूसरों की अपेक्षाओं के बीच कई बार उनकी वास्तविक भावना खो जाती है। खुशी देने वाले अवसर तनाव और थकान का कारण बन जाते हैं। त्योहारों का उद्देश्य धन का प्रदर्शन करना, दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना या अवास्तविक अपेक्षाओं को पूरा करना नहीं है। इनका वास्तविक सार खुशियां बांटने, रिश्तों को मजबूत करने और मन में शांति अनुभव करने में है। उत्सव को सार्थक बनाने के लिए हमें उपहारों, भव्य सजावट या शानदार दावतों की आवश्यकता नहीं होती। अपनों के साथ साधारण भोजन करना, दिल से बातचीत करना या किसी जरूरतमंद की सहायता करना भी गहरा संतोष दे सकता है।

परिवार और परंपराओं का महत्व : त्योहारों को यादगार बनाने में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये विभिन्न पीढ़ियों को साथ बैठने, अनुभव साझा करने और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर देते हैं। दादा-दादी और नाना-नानी पुराने त्योहारों की कहानियां सुना सकते हैं, माता-पिता बच्चों को रीति-रिवाजों के पीछे छिपे मूल्यों से परिचित करा सकते हैं और युवा अपने उत्साह से उत्सव को आनंदमय बना सकते हैं।

ऐसे पल बच्चों में प्रेम, सम्मान, सहयोग और अपनत्व की भावना विकसित करते हैं। हालांकि, आधुनिक जीवनशैली ने त्योहारों के साथ कई नए दबाव भी जोड़ दिए हैं। बढ़ते खर्च, सामाजिक तुलना, व्यस्त दिनचर्या और हर आयोजन को आदर्श बनाने की इच्छा अनावश्यक चिंता पैदा करती है। कई लोग सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए महंगे कपड़े खरीदने, कीमती उपहार देने और भव्य समारोह आयोजित करने का दबाव महसूस करते हैं। सामाजिक माध्यमों पर दूसरों के उत्सवों की आकर्षक तस्वीरें इस दबाव को और बढ़ा देती हैं। हमें समझना चाहिए कि प्रत्येक परिवार की आर्थिक स्थिति, जिम्मेदारियां और परिस्थितियां अलग होती हैं। दूसरों के उत्सवों से अपनी खुशियों की तुलना करने से असंतोष बढ़ता है। वास्तविक प्रसन्नता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि हम कितना पैसा खर्च करते हैं, बल्कि इस पर निर्भर करती है कि हम कितना प्रेम और अपनत्व बांटते हैं।

आर्थिक अनुशासन और तनावमुक्त उत्सव : शांतिपूर्ण त्योहारों के लिए आर्थिक अनुशासन आवश्यक है। परिवारों को अपनी आय और बजट के अनुसार खर्च की योजना बनानी चाहिए तथा दूसरों को प्रभावित करने के लिए कर्ज लेने से बचना चाहिए। सोच-समझकर दिए गए उपहार, घर में बनी मिठाइयां और साधारण सजावट भी प्रेम की सुंदर अभिव्यक्ति हैं। अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार त्योहार मनाने से चिंता कम होती है और उत्सव का आनंद बना रहता है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। लगातार खरीदारी, देर रात तक तैयारियां, अत्यधिक सामाजिक

कार्यक्रम और आराम की कमी थकान तथा चिड़चिड़ापन बढ़ा सकती है। पहले से योजना बनाना, घरेलू जिम्मेदारियां बांटना और विश्राम के लिए समय निकालना उत्सव को सुखद बना सकता है। किसी को भी अपनी मानसिक शांति की कीमत पर हर कार्यक्रम में शामिल होने या सभी अपेक्षाएं पूरी करने के लिए बाध्य नहीं होना चाहिए। त्योहारों के दौरान घरेलू कामों के असमान बंटवारे पर भी ध्यान देना चाहिए। भोजन तैयार करना, सफाई, सजावट और मेहमानों का स्वागत करना मेहनत का काम है। अक्सर इन जिम्मेदारियों का बोझ महिलाओं या परिवार के कुछ सदस्यों पर अधिक पड़ता है। जब सभी लोग अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करते हैं, तो उत्सव अधिक आनंददायक बनते हैं। बच्चों को भी छोटे-छोटे कामों में शामिल किया जा सकता है।

भावनात्मक संवेदनशीलता भी जरूरी : कुछ लोगों के लिए त्योहार भावनात्मक रूप से कठिन हो सकते हैं। प्रियजनों को खो चुके लोगों, परिवार से दूर रहने वालों और अकेलेपन का अनुभव करने वाले व्यक्तियों के लिए ये अवसर उदासी बढ़ा सकते हैं। बीमारी, आर्थिक कठिनाइयां और पारिवारिक विवाद भी उनकी परेशानी बढ़ाते हैं। ऐसे लोगों से हर समय प्रसन्न दिखाई देने की अपेक्षा करने के बजाय उनके प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। एक फोन कॉल, छोटी-सी मुलाकात या प्रेमपूर्ण शब्द भी किसी अकेले व्यक्ति के लिए बहुत मायने रख सकते हैं।

त्योहारों का एक महत्वपूर्ण पहलू जिम्मेदार व्यवहार भी है। अत्यधिक शोर, लापरवाही से वाहन चलाना, संसाधनों की बर्बादी और पर्यावरण

प्रदूषण दूसरों की खुशियों को प्रभावित कर सकते हैं। पर्यावरण-अनुकूल सजावट अपनाना, अनावश्यक शोर से बचना, कचरा कम करना और अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाना उत्सव को अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बना सकता है।

मन की शांति के लिए छोटे प्रयास : उत्सव की व्यस्तता के बीच मन को शांत रखने के लिए कुछ समय स्वयं को देना आवश्यक है। गहरी सांस लेना, प्रार्थना, ध्यान या शांत चिंतन मन को स्थिर रखने में मदद कर सकता है। मोबाइल और सामाजिक माध्यमों पर अत्यधिक समय बिताने के बजाय परिवार के साथ आमने-सामने बैठकर बातचीत करनी चाहिए। अधूरे कामों को लेकर चिंता करने के बजाय अपने आसपास मौजूद लोगों और साथ बिताए जा रहे पलों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए।

परिवारों को यह भी समझना चाहिए कि रिश्ते रीति-रिवाजों को पूरी तरह निभाने से अधिक मूल्यवान हैं। तैयारियों के दौरान विचारों में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन धैर्य और सम्मानपूर्ण संवाद छोटी असहमतियों को बड़े विवादों में बदलने से रोक सकते हैं। दूसरों की बात ध्यान से सुनना, अनावश्यक आलोचना से बचना और अपूर्णताओं को स्वीकार करना पारिवारिक संबंधों में मधुरता बनाए रखता है। त्योहार हमें अपने घरों से बाहर भी खुशियां बांटने का अवसर देते हैं। अकेले रहने वाले बुजुर्गों से मिलना, जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना, गरीबों में भोजन बांटना और सामाजिक कल्याण के कार्यों में सहयोग देना उत्सव को गहरा अर्थ प्रदान करता है।

मांसपेशियों की उम्र को मात, व्यायाम विज्ञान की नई दिशा

डॉ. विजय गर्ग

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक सत्य है, लेकिन उम्र के साथ मांसपेशियों की शक्ति, लचीलापन और कार्यक्षमता में होने वाली गिरावट को पूरी तरह अपरिहार्य नहीं माना जा सकता। आधुनिक विज्ञान ने स्पष्ट किया है कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम से मांसपेशियों की शक्ति बनाए रखने तथा उम्र से संबंधित शारीरिक बदलावों को धीमा करने में मदद मिल सकती है। व्यायाम केवल शरीर को आकर्षक बनाने या वजन नियंत्रित रखने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ और आत्मनिर्भर जीवन का महत्वपूर्ण आधार भी है।

उम्र बढ़ने पर मांसपेशियों में बदलाव : उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों का द्रव्यमान और शक्ति कम हो सकती है। इस स्थिति को साकोपीनिया कहा जाता है। इसके कारण सीढ़ियां चढ़ने, भारी सामान उठाने, कुर्सी से खड़े होने और लंबी दूरी तक चलने में कठिनाई हो सकती है। गंभीर स्थिति में गिरने, हड्डियां टूटने और दैनिक कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भरता बढ़ने का खतरा भी रहता है।

इस गिरावट के पीछे कई जैविक कारण हैं। कोशिकाओं में ऊर्जा बनाने वाली माइटोकॉन्ड्रिया की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। मांसपेशियों की मरम्मत और प्रोटीन निर्माण की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती

है। इसके अलावा, तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों के बीच तालमेल में बदलाव भी शारीरिक शक्ति को प्रभावित करता है।

हालांकि, उम्रदराज मांसपेशियां भी व्यायाम के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देती हैं। उचित प्रशिक्षण से उनकी शक्ति, सहनशक्ति और कार्यक्षमता में सुधार संभव है।

व्यायाम से कैसे मजबूत होती हैं मांसपेशियां?

मांसपेशियों को मजबूत बनाने में प्रतिरोध प्रशिक्षण विशेष रूप से उपयोगी है। इसमें वजन उठाना, प्रतिरोधक पट्टियों का इस्तेमाल करना और अपनी क्षमता के अनुसार शरीर के भार से व्यायाम करना शामिल है। जब मांसपेशियों पर नियंत्रित दबाव पड़ता है, तो शरीर प्रोटीन निर्माण और ऊतकों की मरम्मत से जुड़ी प्रक्रियाओं को सक्रिय करता है। पर्याप्त पोषण और विश्राम मिलने पर मांसपेशियां अधिक मजबूत बन सकती हैं। यह लाभ केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। वृद्ध व्यक्ति भी नियमित और उचित प्रशिक्षण से अपनी शारीरिक क्षमता में सुधार कर सकते हैं।

तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना और तैराकी जैसी गतिविधियां हृदय तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाती हैं। इनसे मांसपेशियों को ऑक्सीजन का बेहतर उपयोग करने और लंबे समय तक सक्रिय रहने में सहायता मिलती है। इस प्रकार शक्ति

प्रशिक्षण और सहनशक्ति बढ़ाने वाले व्यायाम एक-दूसरे के पूरक हैं।

कोशिकाओं की ऊर्जा और मरम्मत का महत्व मांसपेशियों की कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादन और क्षतिग्रस्त घटकों की मरम्मत आवश्यक है। माइटोकॉन्ड्रिया कोशिकाओं को ऊर्जा उपलब्ध कराती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इनकी कार्यक्षमता में बदलाव आ सकता है, लेकिन नियमित शारीरिक गतिविधि ऊर्जा चयापचय से जुड़ी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में सहायक होती है।

व्यायाम शरीर की अनुकूलन क्षमता को भी प्रोत्साहित करता है। मांसपेशियां नियमित गतिविधियों के अनुरूप स्वयं को ढालती हैं और धीरे-धीरे अधिक प्रभावी ढंग से काम करने लगती हैं। हालांकि, यह दावा करना उचित नहीं होगा कि व्यायाम सभी कोशिकाओं को युवा अवस्था में लौटा देता है। इसका वास्तविक लाभ शारीरिक क्षमता में सुधार और उम्र से संबंधित कुछ कमियों की प्रगति को धीमा करने में है।

पोषण, नींद और आराम की भूमिका

मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत के लिए प्रोटीन आवश्यक है। दूध, दही, अंडे, दालें, बीन्स, सोया और मेवे प्रोटीन के उपयोगी स्रोत हैं। बढ़ती उम्र में पर्याप्त प्रोटीन और संतुलित भोजन पर विशेष ध्यान देना

चाहिए। इसके साथ पानी, आवश्यक विटामिन और खनिजों की पर्याप्त मात्रा भी जरूरी है।

व्यायाम के बाद शरीर को स्वस्थ होने और मांसपेशियों की मरम्मत के लिए समय चाहिए। इसलिए पर्याप्त नींद और उचित विश्राम को प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा मानना चाहिए। अत्यधिक व्यायाम और अपर्याप्त आराम लाभ के बजाय थकान और चोट का कारण बन सकते हैं।

उम्रदराज लोगों के लिए सही रणनीति

व्यायाम शुरू करने के लिए कोई निश्चित उम्र सीमा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि कार्यक्रम व्यक्ति की शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य के अनुरूप हो। लंबे समय से निष्क्रिय व्यक्ति छोटी सैर, कुर्सी से उठने-बैठने के अभ्यास और हल्के प्रतिरोध प्रशिक्षण से शुरुआत कर सकता है।

एक संतुलित कार्यक्रम में सप्ताह में कम से कम दो दिन प्रमुख मांसपेशियों का शक्ति प्रशिक्षण, नियमित चलना या अन्य एरोबिक गतिविधियां तथा संतुलन और लचीलापन बढ़ाने वाले अभ्यास शामिल किए जा सकते हैं। कठिनाई और अवधि धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए। हृदय रोग, गंभीर जोड़ों की समस्या या बार-बार गिरने की परेशानी वाले लोगों को व्यायाम शुरू करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर फिजियोथेरेपिस्ट की मदद भी ली जा सकती है।

स निजी स्कूल जीसी जैन स्कूल में डांडिया नृत्य की धूम, 251 कन्याओं का पूजन कर कराया भोज

पोरसा, जीएनएस।
शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नगर के गांधीनगर स्थित निजी शिक्षण संस्थान जीसी जैन स्कूल परिसर में डांडिया नृत्य एवं कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। नवदुर्गा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कई दर्जन बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया तथा भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को

भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने पारंपरिक अंदाज में डांडिया नृत्य कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। भक्ति गीतों और डांडिया की ताल पर बालिकाओं ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। नवरात्र के उल्लास के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय और

उत्सवी रंग में रंग दिया। सप्त 251 कन्याओं का पूजन कर कराया भोजन, उपहार किए वितरित डांडिया नृत्य कार्यक्रम के पश्चात नवदुर्गा महोत्सव के अंतर्गत 251 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया गया। आयोजकों ने कन्याओं को तिलक लगाकर उनका पूजन किया तथा उन्हें भोजन कराया। इसके साथ ही कन्याओं को उपहार भी वितरित किए गए। इस दौरान श्रद्धा और

भक्ति का माहौल देखने को मिला। हिंदू धर्म में नवरात्र के दौरान कन्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कन्याओं को मां दुर्गा के स्वरूप के रूप में पूजकर उनका सम्मान किया जाता है। कन्या भोज के माध्यम से श्रद्धालु मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। निजी स्कूल जीसी जैन स्कूल में आयोजित डांडिया नृत्य एवं

कन्या पूजन कार्यक्रम बृजेश कुमार गोयल, राम विनोद शुक्ला, सुनीता गोयल, कीर्ति गुप्ता, रुचि तोमर, शीलू तोमर, आरती नामदेव, सुमन गुप्ता, डोली शर्मा, अजय सारस्वत, अमन शर्मा, जया ओझा, मोहिनी तोमर एवं सत्यभान सिंह चौहान सहित अन्य लोगों के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाएं विद्यालय परिवार द्वारा संभाली गई। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से

बच्चों और उपस्थित लोगों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं तथा नवरात्र के आध्यात्मिक महत्व से जुड़ने का अवसर मिला। नवरात्र के पावन पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में डांडिया नृत्य की उमंग और कन्या पूजन की श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। 251 कन्याओं के पूजन, भोजन और उपहार वितरण के साथ कार्यक्रम धार्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।

इमरजेंसी में एक फार्मासिस्ट पर काम का बोझ, दो की तैनाती की मांग

फिरोजाबाद, जीएनएस।
स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के आपातकालीन विभाग में फार्मासिस्टों पर काम का दबाव बढ़ गया है। सुबह की पाली में एक ही फार्मासिस्ट की ड्यूटी लगाए जाने से व्यवस्थाएं संभालने में परेशानी हो रही है। चार फार्मासिस्टों ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को पत्र देकर सुबह की पाली में दो फार्मासिस्टों की तैनाती की मांग की है। फार्मासिस्टों ने बताया कि इमरजेंसी में तीन पालियों में चार फार्मासिस्टों की ड्यूटी लगती है। अगस्त तक सुबह की पाली में दो

फार्मासिस्ट तैनात रहते थे। सितंबर से एक फार्मासिस्ट की ड्यूटी कम कर उसे एआरवी केंद्र में तैनात कर दिया गया। इसके बाद से सुबह की पाली में काम का दबाव बढ़ गया है। पत्र के अनुसार सुबह की पाली में प्रतिदिन औसतन 100 पर्चे तैयार कर उनका रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। इसके अलावा मरीजों का डाटा तैयार करने, मेडिकोलीगल मामलों की प्रक्रिया पूरी करने और पुलिस को सूचना भेजने का काम भी फार्मासिस्ट को करना पड़ता है। प्रतिदिन उपयोग होने वाली दवाओं की इंडेंट तैयार कर उन्हें मंगाने और भंडारण की जिम्मेदारी भी सुबह की

पाली में रहती है। दवाओं की प्रतिदिन खपत का रिकॉर्ड स्टॉक बुक में दर्ज करना भी फार्मासिस्टों के जिम्मे है। वहीं, किसी कर्मचारी के अवकाश पर जाने पर उसकी ड्यूटी की व्यवस्था भी सुबह की पाली में तैनात फार्मासिस्ट को करनी पड़ती है। फार्मासिस्टों ने सीएमएस से समस्या को गंभीरता से लेते हुए सुबह की पाली में दो फार्मासिस्ट तैनात करने की मांग की है। फार्मासिस्टों ने सीएमएस से समस्या को गंभीरता से लेते हुए सुबह की पाली में दो फार्मासिस्ट तैनात करने की मांग की है।

कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर प्रभारी उप पंजीयक नरवर जिला कार्यालय में संलग्न

शिवपुरी, जीएनएस।
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा जनसमस्याओं और शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की गई है। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों और पूर्व में प्राप्त अनियमितता संबंधी शिकायतों के आधार पर प्रभारी उप पंजीयक नरवर श्री हनीफ खान को जांच अवधि तक उप पंजीयक कार्यालय नरवर से हटाकर जिला पंजीयक कार्यालय शिवपुरी संलग्न किया गया है। जनसुनवाई के दौरान प्रभारी उप पंजीयक श्री हनीफ खान के

करैरा उप पंजीयक संदीप सिंह गौर को नरवर का अतिरिक्त प्रभार

विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके अलावा पूर्व में मगरौनी क्षेत्र से भी उनके कार्यप्रणाली के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने जिला पंजीयक को तत्काल प्रभारी उप पंजीयक के विरुद्ध जांच के निर्देश दिए हैं। जिला पंजीयक श्री दुष्यंत दीक्षित ने बताया कि कलेक्टर

श्री वर्मा के निर्देशों के तहत श्री हनीफ खान को आगामी आदेश तक जिला पंजीयक कार्यालय शिवपुरी में संलग्न किया गया है। वहीं, उप पंजीयक कार्यालय नरवर में पंजीयन कार्य सुचारू रूप से संचालित रखने के उद्देश्य से उप पंजीयक करैरा श्री संदीप सिंह गौर को अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ आगामी आदेश तक उप पंजीयक नरवर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

ग्राम तिलैया में स्व. मजबूतसिंह रावत जी के त्रयोदशी एवं गंगा जी भंडारा में शामिल हुए सेंवढा विधायक प्रदीप अग्रवाल, दी श्रद्धांजलि

दतिया, जीएनएस।
ठा. हुकुमसिंह रावत के लघु भ्राता एवं ठा. उपेन्द्रसिंह, ठा. माखनसिंह (गोलू) के पूजनीय ताऊ जी श्री मजबूतसिंह रावत जी का स्वर्गवास सोमवार दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को हो गया था। उनकी आत्म शांति हेतु त्रयोदशी एवं गंगा जी का भण्डारा आश्विन सुदी 7, शनिवार दिनांक 17 अक्टूबर 2026 को स्थान - ग्राम तिलैया मेन रोड, तहसील इंदरगढ़, जिला दतिया (म.प्र.) पर आयोजित किया गया। आयोजित शोक कार्यक्रम में सेंवढा विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल जी पधारकर स्व. श्री मजबूतसिंह रावत जी के

चित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर गम्बर सिंह रावत, लखन सिंह रावत, बलवंत सिंह रावत, तथा शोकाकुल परिवार - ठा. हुकुमसिंह, ठा. रामहेतसिंह (पाली), ठा. अजमेरसिंह (चिटौली), ठा. मुकेशसिंह, ठा. बंटीसिंह (आदमपुर), ठा. बहादुरसिंह (जखवार), ठा. हीरासिंह (बेला), ठा. बीरबलसिंह (डोंगरपुरा) सहित रावत परिवार के अन्य सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

छात्राओ ने संभाली सम्पूर्ण समाधान दिवस की कमान

दूर दराज से आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर



यादव ने निभाई। इन दोनों प्रतिभावान छात्राओं ने समाधान दिवस में बेहद आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ दूर-दूर से आए फरियादियों की शिकायतों को सुना। जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित

और निष्पक्ष समाधान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। छात्राओं की कार्यशैली और प्रशासनिक सूझ-बूझ देखकर वहां मौजूद सभी अधिकारी और आम जनता पूरी तरह से प्रभावित हुए। इस विशेष %मिशन शक्ति% कार्यक्रम की गरिमा

बढ़ाने के लिए आगरा परिक्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दोनों छात्राओं के हौसले, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा इसे बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। पुलिस उप-महानिरीक्षक ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बालिकाओं में नेतृत्व के गुण विकसित होते हैं और समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत होता है।

समाधान दिवस में 154 शिकायतें आई, 15 का मौके पर निस्तारण

डीआईजी, डीएम और एसएसपी ने सुनीं फरियादें, चार दंपतियों में कराया समझौता
टूंडला। तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। डीआईजी आगरा परिक्षेत्र शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और एसएसपी आदित्य लांगे ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुल 154 शिकायतें आईं। इनमें 15 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अधिकारियों ने शेष



शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण

कराने के निर्देश दिए।

रसूलपुर निवासी अधिवक्ता चंदेश कुमार उपाध्याय ने खसरा संख्या 77 पर अवैध कब्जे की शिकायत की। डीएम ने पुलिस और लेखपाल को कार्रवाई के निर्देश दिए। नगला दत्त निवासी शैलेंद्र उपाध्याय ने चक्रोड और रास्ते की पैमाइश की मांग की। इस पर राजस्व और विकास विभाग के अधिकारियों को निष्पक्ष पैमाइश कराने को कहा गया। तजापुर निवासी वीरेश कुमार ने पोंक्सो पीड़िता को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की।

डीएम ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। रामनगर जारखी निवासी नेत्रपाल की बिजली बिल माफी और कनेक्शन काटने की शिकायत पर हाइडिल के एक्सईएन को सात दिन में रिपोर्ट देने को कहा। जन्म प्रमाणपत्र में नाम संशोधन की शिकायत पर बीडीओ टूंडला को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। चार दंपतियों में सुलह, पहनाई माला: समाधान दिवस में पुलिस और प्रशासन की पहल पर

आपसी विवाद के चलते अलग रह रहे चार दंपतियों में समझौता कराया गया। इनमें रंजीत-नीतू देवी (रजावली), दुर्गेश-संजना (टूंडला), वैभव/धर्मवीर-गौरी देवी (नगला सिंघी) और धर्मवीर-दुर्गेश (नारखी) शामिल रहे। डीएम ने सभी दंपतियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और आपसी सौहार्द के साथ रहने की अपील की। वहीं विधवा पेंशन की रुकी राशि मिलने वाली उमा, सत्रो और आनंदी समेत अन्य लाभार्थी।

लोकतांत्रिक विरोध और जनजीवन की दुश्धारियां

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र में विरोध केवल असहमति व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नागरिकों को अपनी आवाज सत्ता तक पहुंचाने का अधिकार भी है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन जनता की समस्याओं को सामने लाते हैं, सरकार को जवाबदेह बनाते हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाए रखते हैं। लेकिन जब किसी प्रदर्शन के कारण आम जनजीवन, व्यापार और हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होने लगती है, तब यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि विरोध के अधिकार और दूसरे नागरिकों के हितों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। दिल्ली के कर्नाट प्लेस में प्रस्तावित तिरंगा मार्च और उससे जुड़ी प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने इसी सवाल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया।

कर्नाट प्लेस राजधानी दिल्ली का प्रमुख व्यावसायिक, सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी, रोजगार, खानपान और मनोरंजन के लिए पहुंचते हैं। इसके आसपास अनेक व्यावसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय और सार्वजनिक सुविधाएं मौजूद हैं। ऐसे क्षेत्र में होने वाले बड़े प्रदर्शनों का असर केवल यातायात व्यवस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, ग्राहकों की आवाजाही और रोज कमाकर परिवार चलाने वाले लोगों पर भी पड़ता है। इसलिए इस क्षेत्र में किसी बड़े आयोजन की योजना बनाते समय प्रशासन को सुरक्षा के साथ-साथ आम नागरिकों की सुविधाओं का भी ध्यान रखना पड़ता है।

'कोकरोच जनता पार्टी' के आह्वान पर आयोजित होने वाले 'लहरा दो तिरंगा' मार्च के मद्देनजर

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क को 16 और 17 अक्टूबर को बंद रखने का निर्णय लिया। दिल्ली पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की। प्रशासन की चिंता भीड़ नियंत्रण, संभावित अव्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर थी। दूसरी ओर, व्यापारियों और छोटे दुकानदारों ने आशंका जताई कि ऐसी व्यवस्थाओं से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होगी और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह स्थिति बताती है कि किसी सार्वजनिक आयोजन का प्रभाव उसके निर्धारित स्थल से कहीं अधिक व्यापक हो सकता है।

व्यापारियों की चिंता को समझने के लिए बाजार की मौसमी गतिविधियों पर भी नजर डालना जरूरी है। अक्टूबर से फरवरी तक का समय दिल्ली के अनेक कारोबारियों के लिए अपेक्षाकृत अच्छी बिक्री का दौर होता है। त्योहारों, विवाह समारोहों और अन्य सामाजिक आयोजनों के कारण खरीदारी बढ़ती है। कई छोटे व्यापारी इसी अवधि में होने वाली कमाई से अपने सालभर के खर्चों, कर्मचारियों के वेतन, किराये और दूसरे आर्थिक दायित्वों की व्यवस्था करते हैं। यदि बाजार में बार-बार अवरोध पैदा होते हैं, तो उनका असर दुकानदारों के अलावा कर्मचारियों, फेरीवालों, ठेला लगाने वालों, वाहन चालकों और दैनिक मजदूरी पर निर्भर परिवारों पर भी पड़ता है।

व्यापारियों की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में दावा किया गया कि प्रदर्शन के कारण प्रतिदिन 200 से 250 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। यह व्यापारिक पक्ष द्वारा प्रस्तुत अनुमान है, इसे प्रमाणित वास्तविक

नुकसान का अंतिम आंकड़ा नहीं माना जा सकता। किसी भी आर्थिक नुकसान का आकलन करने के लिए वास्तविक बिक्री, कारोबार में आई गिरावट, प्रभावित प्रतिष्ठानों की संख्या और व्यवधान की अवधि जैसे तथ्यों की जांच आवश्यक है। फिर भी, इस दावे के पीछे छिपी आजीविका की चिंता को खारिज नहीं किया जा सकता। छोटे कारोबारियों के लिए कुछ दिनों तक ग्राहकों की आवाजाही कम होना भी गंभीर आर्थिक दबाव पैदा कर सकता है।

16 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने तत्काल हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए प्रदर्शन के अधिकार, कानून-व्यवस्था और छोटे व्यापारियों की आजीविका के बीच संतुलन के महत्व को रेखांकित किया। न्यायालय ने यह संकेत भी दिया कि यदि गैरकानूनी या अनुचित प्रतिबंधों के कारण कारोबार को नुकसान पहुंचता है, तो वह अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का उपयोग कर सकता है। इस घटनाक्रम का व्यापक संदेश यही है कि प्रशासनिक निर्णयों और नागरिक अधिकारों से जुड़े मामलों में सभी पक्षों की परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी है। न तो व्यापारियों की समस्याओं को मामूली मानकर छोड़ा जा सकता है और न ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को केवल संभावित असुविधा के आधार पर सीमित किया जाना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि नागरिक अपनी असहमति व्यक्त कर सकें। संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने का अधिकार प्रदान करता है। इन्हीं अधिकारों के

माध्यम से लोग सरकार के फैसलों पर सवाल उठाते हैं, नीतियों का विरोध करते हैं और अपनी मांगों को सार्वजनिक करते हैं। इतिहास में अनेक जन आंदोलनों ने सामाजिक बदलाव और जनहित से जुड़े मुद्दों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए प्रदर्शन को लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा मानना चाहिए।

हालांकि, किसी भी अधिकार का उपयोग जिम्मेदारी से अलग नहीं किया जा सकता। शांतिपूर्ण सभा का अधिकार नागरिकों को दूसरों के अधिकारों की अनदेखी करने की छूट नहीं देता। प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही, अस्पतालों तक पहुंच और आम लोगों के दैनिक आवागमन को संभव बनाए रखना भी आवश्यक है। इसी प्रकार, व्यापारियों और दुकानदारों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले सभी आयोजनों को पूरी तरह रोक देना लोकतांत्रिक समाज का उचित रास्ता नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे विरोध का उद्देश्य भी पूरा हो और आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी भी न झेलनी पड़े।

राजनीतिक आयोजनों का आकलन भी संतुलित दृष्टिकोण से होना चाहिए। किसी मार्च का उद्देश्य अपनी मांगों को सामने रखना, जनसमर्थन जुटाना या किसी मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना हो सकता है। इसलिए उसके राजनीतिक उद्देश्य का मूल्यांकन आयोजकों के वक्तव्यों, मांगों और गतिविधियों के आधार पर किया जाना चाहिए,

केवल नाम या प्रतीक के आधार पर नहीं। इसी तरह प्रशासन की कार्रवाई को भी सुरक्षा की वास्तविक आवश्यकता, उपलब्ध प्रमाण और प्रतिबंधों की आनुपातिकता के आधार पर परखा जाना चाहिए। यदि सुरक्षा के लिए कुछ पाबंदियां जरूरी हों, तो उनकी अवधि और दायरा आवश्यकता के अनुरूप सीमित रखा जाना चाहिए। व्यापक प्रतिबंध लगाने से पहले कम बाधा पैदा करने वाले विकल्पों पर विचार करना भी जरूरी है।

इस समस्या का व्यावहारिक समाधान बेहतर योजना और आपसी समन्वय में छिपा है। प्रशासन को प्रदर्शन के लिए ऐसे स्थान निर्धारित करने चाहिए, जहां बड़ी संख्या में लोग शांतिपूर्वक एकत्र हो सकें और आसपास के व्यावसायिक क्षेत्रों पर कम से कम प्रभाव पड़े। आयोजकों को पहले से अनुमति संबंधी नियमों, निर्धारित मार्ग और समय का पालन करना चाहिए। पुलिस और स्थानीय निकायों को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी समय पर सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि लोग अपनी यात्रा की योजना बना सकें। दुकानों, बाजारों और सार्वजनिक परिवहन तक पहुंच बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की जा सकती है। आपातकालीन सेवाओं के लिए निर्बाध मार्ग सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसके साथ ही प्रदर्शन आयोजकों और व्यापारिक संगठनों के बीच संवाद की व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। यदि किसी प्रदर्शन की तारीख, स्थान या मार्ग में बदलाव से संभावित नुकसान कम किया जा सकता है, तो सभी पक्षों को इस पर विचार करना चाहिए। प्रशासन को भी केवल निषेधात्मक आदेश जारी करने के बजाय संवाद और

समाधान पर जोर देना चाहिए। व्यापारियों की ओर से नुकसान का दावा किए जाने पर स्वतंत्र और प्रमाण आधारित आकलन किया जा सकता है। इससे वास्तविक नुकसान और अनुमान के बीच अंतर स्पष्ट होगा तथा भविष्य में ऐसे आयोजनों की योजना बनाने के लिए उपयोगी आधार तैयार होगा।

कर्नाट प्लेस का घटनाक्रम हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में स्वतंत्रता और जिम्मेदारी एक-दूसरे के पूरक हैं। विरोध का अधिकार तभी सार्थक है, जब नागरिक बिना भय अपनी बात कह सकें। वहीं सार्वजनिक व्यवस्था तभी न्यायपूर्ण कही जा सकती है, जब सुरक्षा के नाम पर अनावश्यक प्रतिबंध न लगाए जाएं और आम लोगों की आजीविका को भी महत्व दिया जाए। लोकतंत्र की सफलता किसी एक पक्ष की जीत में नहीं, बल्कि ऐसे संतुलन में है, जहां असहमति के लिए जगह हो, व्यापार निर्बाध रूप से चलता रहे और प्रशासन कानून का निष्पक्ष पालन कराए। अंततः, लोकतांत्रिक विरोध और जनजीवन की जरूरतों को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय उनके बीच सामंजस्य स्थापित करना समय की मांग है। बाजार की रौनक बचाना और नागरिकों की आवाज सुनना, दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारियां हैं। प्रशासन, प्रदर्शन आयोजकों, व्यापारियों और नागरिकों के बीच सहयोग से ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है, जिसमें किसी को अपने अधिकारों के लिए दूसरे की आजीविका की कीमत न चुकानी पड़े। विरोध की आवाज दबाए बिना व्यापार की निरंतरता बनाए रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करना ही लोकतांत्रिक परिपक्वता की वास्तविक कसौटी है।

ऑनलाइन मेडिकल पाठ्यक्रम : वैज्ञानिक साक्ष्यों की व्याख्या में आत्मविश्वास का मार्ग

डॉ. विजय गर्ग

चिकित्सा विज्ञान तेजी से विकसित हो रहा है। नई उपचार पद्धतियां, निदान तकनीकें, दवाइयां और चिकित्सकीय दिशा-निर्देश लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में डॉक्टरों, मेडिकल विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए नवीनतम वैज्ञानिक साक्ष्यों से परिचित रहना जरूरी हो गया है। हालांकि, केवल नई जानकारी हासिल करना पर्याप्त नहीं है। चिकित्सा पेशेवरों को शोध के निष्कर्षों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना और विश्वसनीय साक्ष्यों तथा भ्रामक दावों के बीच अंतर समझना भी आना चाहिए। इस दिशा में ऑनलाइन मेडिकल पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ऑनलाइन शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ इसकी लचीलापन है। चिकित्सा पेशेवरों की व्यस्त दिनचर्या के कारण नियमित रूप से कक्षाओं में शामिल होना कठिन हो सकता है। डिजिटल पाठ्यक्रम उन्हें

अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन करने, जटिल विषयों को दोबारा समझने और प्रतिष्ठित संस्थानों की शैक्षिक सामग्री तक पहुंचने का अवसर देते हैं। साक्ष्य-आधारित चिकित्सा, जैव-सांख्यिकी, शोध पद्धति, वैज्ञानिक अध्ययनों का आलोचनात्मक मूल्यांकन और व्यवस्थित समीक्षा जैसे विषय अब भौगोलिक सीमाओं से परे उपलब्ध हैं।

व्यवस्थित समीक्षा का महत्व व्यवस्थित समीक्षा किसी विशेष प्रश्न से संबंधित शोध अध्ययनों की पहचान, मूल्यांकन और उनके निष्कर्षों के समेकन की एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। सामान्य साहित्य समीक्षा के विपरीत, इसमें पहले से निर्धारित पद्धति अपनाई जाती है, जिससे पक्षपात की आशंका कम होती है और निष्कर्षों में पारदर्शिता बढ़ती है। उपयुक्त परिस्थितियों में विभिन्न अध्ययनों के परिणामों का सांख्यिकीय विश्लेषण कर समग्र प्रभाव का अनुमान लगाया जाता है। इसे

मेटा-विश्लेषण कहते हैं। साक्ष्य-आधारित चिकित्सा में व्यवस्थित समीक्षाओं का विशेष महत्त्व है। अलग-अलग शोध अध्ययनों के परिणाम कई बार एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। अध्ययन की रूपरेखा, प्रतिभागियों की संख्या, रोगियों की विशेषताएं और शोध पद्धति इन परिणामों को प्रभावित कर सकती हैं। उपलब्ध अध्ययनों का सामूहिक विश्लेषण किसी विषय की व्यापक समझ विकसित करने में मदद करता है।

फिर भी, केवल व्यवस्थित समीक्षा कहलाने से कोई अध्ययन स्वतः विश्वसनीय नहीं हो जाता। उसकी गुणवत्ता अपनाई गई पद्धति, शामिल शोधों की प्रासंगिकता और उपलब्ध साक्ष्यों की सीमाओं पर निर्भर करती है। इसलिए व्यवस्थित समीक्षाओं को सही ढंग से समझना और उनका आलोचनात्मक मूल्यांकन करना चिकित्सा पेशेवरों के लिए आवश्यक कौशल है।

ऑनलाइन पाठ्यक्रम से बढ़ता आत्मविश्वास : अच्छी

तरह तैयार किए गए ऑनलाइन पाठ्यक्रम जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को छोटे और सरल अध्ययन खंडों में प्रस्तुत करते हैं। वीडियो व्याख्यान, संवादात्मक अभ्यास, प्रश्नोत्तरी और वास्तविक शोध-पत्रों के उदाहरण विद्यार्थियों को यह समझने में सहायता देते हैं कि वैज्ञानिक साक्ष्य कैसे तैयार किए जाते हैं और उनकी विश्वसनीयता कैसे परखी जाती है।

इन पाठ्यक्रमों से विद्यार्थी स्पष्ट चिकित्सकीय प्रश्न तैयार करना, उपयुक्त शोध अध्ययनों की पहचान करना, पक्षपात के जोखिम का आकलन करना और सांख्यिकीय परिणामों की व्याख्या करना सीख सकते हैं। वे विश्वास अंतराल, सापेक्ष एवं निरपेक्ष जोखिम, अध्ययनों के परिणामों में भिन्नता और प्रकाशन पक्षपात जैसी अवधारणाओं को भी समझ सकते हैं। शुरुआती विद्यार्थियों को ये विषय कठिन लग सकते हैं, लेकिन नियमित अभ्यास और सरल शिक्षण सामग्री से इन्हें समझना

आसान हो जाता है। ऑनलाइन शिक्षा स्वतंत्र और तार्किक चिंतन को भी प्रोत्साहित करती है। शोध के किसी निष्कर्ष को बिना जांच स्वीकार करने के बजाय विद्यार्थी यह पूछना सीखते हैं कि अध्ययन की रूपरेखा उचित थी या नहीं, प्रतिभागी लक्षित जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते थे या नहीं और परिणाम चिकित्सकीय दृष्टि से वास्तव में महत्वपूर्ण थे या नहीं।

जब ऐसे प्रश्न वैज्ञानिक सोच का हिस्सा बन जाते हैं, तो शोध निष्कर्षों का मूल्यांकन करने में आत्मविश्वास बढ़ता है।

सांख्यिकीय परिणाम और चिकित्सकीय निर्णय : चिकित्सा अनुसंधान की व्याख्या में एक बड़ी चुनौती सांख्यिकीय महत्त्व और चिकित्सकीय महत्त्व के बीच अंतर समझना है। कोई परिणाम सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन उससे रोगी के स्वास्थ्य में बड़ा व्यावहारिक सुधार हो, यह आवश्यक नहीं है। इसी तरह,

किसी छोटे अध्ययन में उपचार लाभकारी दिखाई दे सकता है, जबकि उसकी प्रभावशीलता और सुरक्षा की पुष्टि के लिए बड़े तथा बेहतर अध्ययनों की आवश्यकता हो सकती है। साक्ष्य-आधारित चिकित्सा के पाठ्यक्रम प्रभाव के आकार, विश्वास अंतराल, निरपेक्ष जोखिम में कमी और आवश्यक उपचार संख्या जैसी अवधारणाओं को समझने में मदद करते हैं। इनके माध्यम से उपचार के संभावित लाभों और हानियों का संतुलित मूल्यांकन किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, किसी दवा के बारे में दावा किया जाए कि वह किसी बीमारी का सापेक्ष जोखिम 50 प्रतिशत कम करती है। यदि उपचार से पहले प्रति 1,000 लोगों में दो व्यक्तियों को बीमारी होने का जोखिम है, तो उपचार के बाद यह घटकर प्रति 1,000 लोगों में एक रह जाएगा। अर्थात् सापेक्ष जोखिम में 50 प्रतिशत की कमी होने के बावजूद निरपेक्ष कमी प्रति 1,000 लोगों में केवल एक मामला है।

सीईओ गगनजीत सिंह एवं मप्र हेड अवधेश सिंघल का स्वागत, किसानों से जुड़ाव और आधुनिक कृषि सुविधाओं पर दिया जोर सिद्धार्थ मोटर्स के ग्राहक मिलन समारोह में स्वराज ट्रैक्टर की धूम, 17 ट्रैक्टरों की हुई डिलीवरी

शिवपुरी जीएनएस
सिद्धार्थ मोटर्स शिवपुरी द्वारा होटल सोनचिरैया में स्वराज ट्रैक्टर का भव्य ग्राहक मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में स्वराज ट्रैक्टर कंपनी के सीईओ गगनजीत सिंह सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों, डीलर प्रतिनिधियों और दूरदराज से आए बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता की। इस अवसर पर 17 स्वराज ट्रैक्टरों की डिलीवरी की गई। कार्यक्रम में किसानों के साथ कंपनी के संबंधों को मजबूत बनाने, आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देने और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर स्वराज ट्रैक्टर के सीईओ गगनजीत सिंह एवं मप्र हेड अवधेश सिंघल

का सिद्धार्थ मोटर्स एवं स्वराज ट्रैक्टर शिवपुरी के संचालक जयप्रकाश जैन (जेपी) की ओर से भव्य आतिशी स्वागत किया गया। आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ बुंदेली लोकगीतों ने भी समां बांधा। अंत में सभी किसानों, स्वराज ट्रैक्टर कंपनी के अधिकारियों के प्रति आभार सिद्धार्थ मोटर्स संचालक जय प्रकाश जैन के द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका जैन ने किया।
किसानों की जरूरतों के अनुरूप ट्रैक्टर निर्माण पर जोर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वराज ट्रैक्टर के मध्य प्रदेश हेड अवधेश सिंघल ने कंपनी की खूबियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिवपुरी में स्वराज ट्रैक्टर की बाजार में मजबूत उपस्थिति है। यहां



बिकने वाले प्रत्येक 100 ट्रैक्टरों में से लगभग 35 ट्रैक्टर स्वराज के होते हैं। कंपनी 15 हॉर्स पावर से लेकर 70 हॉर्स पावर तक की विभिन्न श्रेणियों में ट्रैक्टर उपलब्ध करा रही है, ताकि किसानों को अपनी खेती और जरूरतों के अनुरूप विकल्प मिल सकें। उन्होंने सिद्धार्थ मोटर्स के संचालक जयप्रकाश जैन की सराहना करते

हुए कहा कि वे मध्य प्रदेश के शीर्ष डीलरों में शामिल हैं और भविष्य में देश के अग्रणी डीलरों में भी स्थान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी बिक्री के साथ-साथ सर्विस और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दे रही है। किसानों के साथ मजबूत जुड़ाव ही कंपनी की प्रगति का आधार है। उन्होंने बताया कि

भविष्य में कृषि कार्यों को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए 18 प्रकार के उपकरण भी उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक उपकरणों और बेहतर कृषि सुविधाओं से खेती की उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

किसानों के विश्वास से मिली स्वराज को नई पहचान : सीईओ गगनजीत सिंह : स्वराज ट्रैक्टर के सीईओ गगनजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शिवपुरी में उनका पहली बार आगमन हुआ है और यहां किसानों एवं डीलर का उत्साह देखकर प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि स्वराज की सफलता के पीछे किसानों का विश्वास और उनसे जुड़ाव सबसे महत्वपूर्ण है। पिछले 52 वर्षों में कंपनी ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें किसानों का योगदान सबसे बड़ा

रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 से 1974 के बीच भारत में कृषि मशीनरी के लिए विदेशों पर निर्भरता अधिक थी। इसके बाद स्वराज ट्रैक्टर के निर्माण की शुरुआत ने भारतीय किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंपनी किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ट्रैक्टर बनाती है और यही किसानों के बीच उसकी पहचान का आधार है। सीईओ गगनजीत सिंह ने जयप्रकाश जैन की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वे किसानों के साथ मिलकर स्वराज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। एक सफल डीलर वही है जो किसानों की आवश्यकताओं को समझे और उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं सुविधाएं उपलब्ध कराए।



सेवा भारती का विशाल कन्या पूजन, 61 जोड़ों ने किया 551 कन्याओं का पूजन

शिवपुरी जीएनएस
सेवा, संस्कार और समरसता के भाव को साकार करते हुए सेवा भारती शिवपुरी द्वारा गुरुवार को मानस भवन में विशाल कन्या पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के 61 जोड़ों ने सामूहिक रूप से सेवा बस्तियों की 551 कन्याओं का पूजन कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री श्री 1008 चुना खो सरकार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेन्द्र जैन, मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. इला गुजरिया,

श्रीमती ज्योति डेंगरे, विशिष्ट अतिथि रमेशचंद्र अग्रवाल, श्रीमती विनीता जैन, मुख्य वक्ता सेवा भारती प्रांत कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला संचालक राजेश गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों के लोगों ने एक साथ बैठकर सेवा बस्तियों से आई नन्हीं कन्याओं का श्रद्धापूर्वक पूजन किया। पूजन के पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से कन्याओं की आरती की और फिर कन्याओं एवं उपस्थित समाजबंधुओं ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया।

नगरीय अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, युवा अध्यक्ष अनिकेत गौड़ और महिला अध्यक्ष सुभाष श्रीवास्तव की टीम ने समाजहित में कार्य करने का लिया संकल्प

कायस्थ समाज की नवीन कार्यकारिणी ने ली शपथ, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

शिवपुरी जीएनएस
कायस्थ समाज शिवपुरी की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह उत्सव वाटिका में गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत भगवान श्री चित्रगुप्त के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित समाजबंधुओं ने भगवान श्री चित्रगुप्त की आरती का गायन किया। कार्यक्रम में समाज की एकता, सहयोग और सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

समारोह में अतिथि सुरेशबाबू श्रीवास्तव, मदनमोहन श्रीवास्तव और विमल श्रीवास्तव ने कायस्थ और समाज के नगरीय अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव और उनकी पूरी टीम को शपथ दिलाई। इस दौरान व्यक्तिगत



हितों को प्राथमिकता देने के बजाय समाजहित में कार्य करने का संकल्प दिलाया गया।

समाज के युवा अध्यक्ष अनिकेत गौड़ और उनकी टीम को कायस्थ समाज एकता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट आशीष श्रीवास्तव तथा एडवोकेट निखिल

सक्सेना ने शपथ दिलाई। युवाओं से समाज को एकजुट रखने और बिना किसी भेदभाव के सामाजिक कार्य करने का आह्वान किया गया। वहीं, महिला अध्यक्ष सुभाष श्रीवास्तव और उनकी पूरी टीम को पूर्व महिला अध्यक्ष संध्या श्रीवास्तव ने शपथ दिलाई।

80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान : समारोह के दूसरे चरण में कक्षा 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के मेधावी विद्यार्थियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में आरब श्रीवास्तव, अविका गौड़, शुभ श्रीवास्तव, आध्या श्रीवास्तव, आकांक्षा श्रीवास्तव, आध्यात्म श्रीवास्तव, अंशिका श्रीवास्तव, आयुष सक्सेना, प्रेरणा श्रीवास्तव, दिशा श्रीवास्तव, अक्षत श्रीवास्तव, पूनम भटनागर, शिखा श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव, प्रियांशी श्रीवास्तव, अनवी सक्सेना, हर्षिता श्रीवास्तव, विभान सक्सेना, नैतिक सक्सेना, मुखशांशी और हंसिका शामिल रहे।

भत्या तिवारी ने दो पदक जीतकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बनाई जगह, पहले दिन शिवपुरी को मिले 19 पदक

ग्वालियर में शिवपुरी के स्केटर्स ने जीते स्वर्ण और रजत पदक

शिवपुरी जीएनएस
स्केटिंग के मैदान में शिवपुरी के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत का दम दिखाते हुए जिले को गौरवान्वित किया है। ग्वालियर में आयोजित संभाग स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में शिवपुरी स्केटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने स्वर्ण एवं रजत पदक हासिल किए। वहीं, होली बड्स इंटरनेशनल स्कूल शिवपुरी की एक होनहार खिलाड़ी भत्या तिवारी ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और एक रजत पदक

जीतकर विद्यालय सहित जिले का मान बढ़ाया और इसी जीत के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। जहां पहले दिन की प्रतियोगिता में शिवपुरी जिले को 5 स्वर्ण, 6 कांस्य, 8 रजत पदक मिले हैं। ग्वालियर में आयोजित प्रतियोगिता में शिवपुरी स्केटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की सफलता को उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और खेल के



प्रति समर्पण का परिणाम बताया गया। इस उपलब्धि से जिले के खेलप्रेमियों और अकादमी में

उत्साह का माहौल है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए दल प्रबंधक विवेक वर्धन शर्मा, मैनेजर

हेमंत और राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक सुखवीर सिंह का मार्गदर्शन मिला। अकादमी का लक्ष्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर जिला, संभाग, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। अकादमी का प्रशिक्षण वीर सावरकर पार्क शिवपुरी में संचालित होता है।

होली बड्स इंटरनेशनल स्कूल की स्केटिंग खिलाड़ी भत्या तिवारी ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय

दिया। उसकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। जीत के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय प्रबंधन और खेल विभाग ने खिलाड़ी को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्पोर्ट्स टीचर सुखवीर सिंह ने विद्यार्थियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इन उपलब्धियों से शिवपुरी में स्केटिंग के प्रति बढ़ते उत्साह और युवा खिलाड़ियों की मेहनत को नई पहचान मिली है।

विद्यालयों के विकास में प्रबंध समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका: श्री शिरोमणि दुबे

शिवपुरी, जीएनएस।
विद्या भारती मध्यभारत प्रांत की योजनानुसार सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी में आयोजित शिवपुरी विभाग के दो दिवसीय प्रबंध समिति सम्मेलन का समापन गरिमामय वातावरण में हुआ। सम्मेलन में विद्यालयों के शैक्षिक विकास, प्रबंध समितियों की भूमिका, वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता तथा आगामी सत्र की कार्ययोजना सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने विद्यालयों को संस्कारयुक्त शिक्षा के प्रभावी केंद्र बनाने तथा समितियों को अधिक सक्रिय एवं उत्तरदायी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

समापन अवसर पर सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश, भोपाल के सम्माननीय उपाध्यक्ष श्री शिरोमणि दुबे, सह सचिव श्रीमती रश्मि रघुवंशी तथा सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश, भोपाल के कोषाध्यक्ष एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री मुकेश राजपूत ने अपने विचार

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में विभाग स्तरीय प्रबंध समिति सम्मेलन का समापन



व्यक्त किए।

श्री शिरोमणि दुबे ने कहा कि विद्यालयों के विकास में प्रबंध समितियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालय केवल भवन और संसाधनों से नहीं, बल्कि समाज के सहयोग, समर्पित कार्यकर्ताओं के परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यप्रणाली से आगे बढ़ते हैं। प्रबंध समिति के प्रत्येक पदाधिकारी को विद्यालय के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों

को पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करते हुए उन्हें संस्कारवान, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाना है। इसके लिए विद्यालय प्रबंधन, आचार्यों, अभिभावकों और समाज के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सभी समितियों से आह्वान किया कि वे विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता, अनुशासन, संस्कारों और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें तथा निर्धारित योजनाओं को समयबद्ध

ढंग से क्रियान्वित करें।

श्रीमती रश्मि रघुवंशी ने संगठनात्मक सक्रियता और सामूहिक सहभागिता पर दिया जोर। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की प्रगति के लिए प्रबंध समितियों का सक्रिय रहना, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाए रखना तथा निर्धारित योजनाओं की नियमित समीक्षा करना आवश्यक है। विद्यालयों के संचालन में सभी पदाधिकारियों को अपनी भूमिका स्पष्ट रूप से समझते हुए सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास, निरंतर संवाद और समाज की सहभागिता महत्वपूर्ण हैं। प्रत्येक विद्यालय को अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ चुनौतियों का भी मूल्यांकन करना चाहिए, जिससे आगामी सत्र में अधिक प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सके।

श्री मुकेश राजपूत ने वित्तीय प्रबंधन एवं पारदर्शिता के संबंध में

दिया प्रशिक्षण। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों को विद्यालयों की वित्तीय व्यवस्था, आय-व्यय के व्यवस्थित संधारण, लेखा अभिलेखों के रखरखाव तथा वित्तीय नियमों के पालन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्था के सुचारु संचालन के लिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व आवश्यक हैं। वित्तीय अभिलेखों का नियमित संधारण तथा आय-व्यय का उचित लेखा-जोखा संस्था की विश्वसनीयता को मजबूत बनाता है। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों को वित्तीय कार्यों में सावधानी, स्पष्टता और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन के दौरान शिवपुरी विभाग के अंतर्गत आने वाले शिवपुरी, श्योपुर, दतिया एवं अशोकनगर जिलों के विद्यालयों की गत सत्रों की कार्यप्रगति की समीक्षा की गई। विद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों, व्यवस्थाओं,

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा समिति के कार्यों से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी सत्र के लिए कार्ययोजना तैयार करने, निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने तथा विद्यालयों की व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने पर सहमति व्यक्त की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सम्मेलन में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश, भोपाल के सम्माननीय सदस्य एवं शिवपुरी जिला प्रतिनिधि श्री कुंजबिहारी चतुर्वेदी, श्री मूलचंद कबीरपंथी, श्री राघवेंद्र सिंह परिहार, शिवपुरी विभाग समन्वयक श्री रामकुमार व्यास, सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय के प्रबंधक श्री पवन शर्मा एवं सह प्रबंधक श्री जितेंद्र परसाई सहित शिवपुरी, श्योपुर, दतिया एवं अशोकनगर जिले के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों के प्राचार्य तथा प्रबंध समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

‘वोट चोरों गद्दी छोड़ो’ के नारों से गुंजा मैहर, कांग्रेस ने निकाली बाइक रैली



मैहर, जीएनएस।
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैहर के संयुक्त तत्वावधान में बाइक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। रैली के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ‘वोट चोरों गद्दी छोड़ो’ और ‘लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ’ के नारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट चौराहे पर पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया।

बाइक रैली कटनी रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय से प्रारंभ होकर बाबा अलाउद्दीन खान चौराहा, महाकाल स्कूल, किला चौक, रहीम चौराहा, रंगलाल चौराहा, चौरसिया मोहल्ला, घंटाघर एवं स्टेट बैंक चौराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली के समापन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव

प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता के मताधिकार की रक्षा सर्वोपरि है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का उचित समाधान होना चाहिए तथा पूरे मामले में जवाबदेही तय की जानी चाहिए। ब्लैक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनाव और मतदाता के अधिकारों की सुरक्षा पर निर्भर करती है। जनता के वोट की ताकत का सम्मान होना चाहिए। कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैहर द्वारा किया गया।

दबोह में कांग्रेस ने रैली निकालकर किया धरना-प्रदर्शन, नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन..

दबोह, जीएनएस।
नगर में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं राजनीतिक मुद्दों को लेकर रैली निकालते हुए धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने %वोट चोर, गद्दी छोड़ो के नारे लगाते हुए विरोध जताया। प्रदर्शन के उपरांत कांग्रेस नेताओं ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। कांग्रेस द्वारा निकाली गई रैली में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी आवाज बुलंद की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि



लोकतंत्र में जनता के मत का सम्मान सर्वोपरि है। कांग्रेस लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और आम जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने दबोह नगर की स्थानीय समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता से जुड़ी समस्याओं का समय रहते

निराकरण होना चाहिए। शासन-प्रशासन को जनहित के मुद्दों पर गंभीरता दिखाते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। नगर कांग्रेस अध्यक्ष रूप नारायण खटीक ने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्ष पारदर्शी से चुनाव होना चाहिए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर सड़क से लेकर शासन-प्रशासन तक उनकी समस्याओं को उठाती रहेगी। जनहित के मुद्दों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई किए जाने की

मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता नगर कांग्रेस अध्यक्ष रूप नारायण खटीक, जनपद उपाध्यक्ष रामेश्वर कौरव, किसान नेता रमा कौरव, मुन्ना सिंह कौरव, बीरेंद्र कौरव बड़ागांव, पंकज शर्मा, पार्षद गोविंद पाल, कोषाध्यक्ष रियाज खान, सिया पाल, पूर्व नगर उपाध्यक्ष रफीक खान, दुर्जन कुशबाह, युवक कांग्रेस नेता शेर सिंह बरथरा, आई टी शैल अध्यक्ष फरियाद पठान, सद्दाम काजी, शिवम रजक, रमन शिवहरे, रसाल कुशबाह, सिया कुशबाह, रविंद्र दीक्षित, मकबूल खान, सहित पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लहार विधायक अम्बरीष शर्मा ने मिहोना में किया सीसी सड़कों का भूमि पूजन और लोकार्पण, दीं नई सौगातें

मिहोना, जीएनएस।

लहार विधानसभा क्षेत्र के विधायक अम्बरीष शर्मा ने शनिवार को नगर मिहोना का दौरा कर क्षेत्रवासियों को कई विकास कार्यों की सौगात दी। विधायक शर्मा ने नगर के विभिन्न वाडों में नई सीसी (छष्ट) सड़कों का भूमि पूजन किया और पूर्व में निर्मित हो चुकी कुछ



सड़कों का विधिवत लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया।

कार्यक्रम और जनसंपर्क के दौरान विधायक ने वाडों में पहुंचकर स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने वार्डवासियों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और मौके पर ही मौजूद संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए, जिससे आमजन को तत्काल राहत मिल सके।

नगरवासियों को संबोधित करते हुए विधायक अम्बरीष शर्मा ने कहा कि मिहोना का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर में बहुत जल्द एक सर्वसुविधायुक्त बस स्टैंड, युवाओं के लिए स्टेडियम और एक रेस्ट हाउस (विश्राम गृह) का निर्माण कराया जाएगा।

श्री रामलीला चल समारोह 20 को, मार्ग में होंगे भव्य स्वागत और आकर्षक झांकियां

ग्वालियर, जीएनएस।
श्री रामलीला समारोह समिति (रजि.) लश्कर, ग्वालियर द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री रामलीला चल समारोह बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ निकाला जाएगा। संस्था के अध्यक्ष श्री राधेश्याम भाकर, स्वागताध्यक्ष श्री मयंक गर्ग, श्री रामलीला संयोजक श्री रमेश अग्रवाल (पूर्व

विधायक), कार्यकारी अध्यक्ष श्री सत्य प्रकाश मिश्रा, श्री विजय गर्ग एवं कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार गुप्ता ने बताया कि चल समारोह के सुव्यवस्थित संचालन हेतु आयोजन समिति में चल समारोह संयोजक के रूप में श्री रामनारायण मिश्रा एवं श्री संजय कट्टल को नियुक्त किया गया है। चल समारोह का मार्ग चल समारोह 20 अक्टूबर

को अचलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर इंद्रगंज चौराहा, दाल बाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार, ऊंट पुल, पाटनकर बाजार, दौलतगंज, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, डोडवाना ओली, गस्त का ताजिया, फालका बाजार, छप्पर वाला पुल होते हुए शिंदे की छावनी से फूलबाग मैदान पहुंचेगा, जहां रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाएगा।

चल समारोह के मुख्य आकर्षण: चल समारोह संयोजक श्री रामनारायण मिश्रा एवं श्री संजय कट्टल ने संयुक्त रूप से बताया कि इस चल समारोह में मुख्य आकर्षण का केंद्र सबसे पहले श्री रामलीला चल समारोह का भव्य द्वार रहेगा। उसके पश्चात चार घोड़ों पर अलग-अलग स्वरूपों में पात्र, धमाल ढोल पार्टी, इत्र वर्षा, बाहुबली हनुमान, बाहुबली नृसिंह

भगवान, विशाल नंदी एवं उस पर विराजमान भगवान शंकर-पार्वती, अघोरी बाबा की टोली जो पूरे रास्ते अपने रंग में रंगी नजर आएगी, राम रथ, रावण रथ, शबरी झांकी, हनुमान जी एवं राम भगवान की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। चल समारोह के अंत में भगवान का रथ रहेगा जो सबसे विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। इस झांकी में 150 लाइटें पूरे रास्ते

रोशनी बिखेरेंगी एवं 150 बैंड वादकों की मधुर धुन लोगों को मंत्रमुग्ध करेगी। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ लेने एवं सभी व्यापारिक व धार्मिक संस्थाओं से अपने-अपने बाजार में भगवान श्री राम के रथ का पूजन एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत करने की अपील की है।

सेवा और संस्कार से समाज को दें नई दिशा: डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी

शारदीय नवरात्रि पर बालिका छात्रावास में कन्या पूजन, बालिकाओं को फल, चॉकलेट और स्टेशनरी भेंट की

ग्वालियर, जीएनएस। शारदीय नवरात्रि के छठवें दिन विप्रा ब्राह्मण महिला मंच की ओर से नई सड़क स्थित सेवा भारती बालिका छात्रावास में कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बालिकाओं का पूजन कर उन्हें फल, चॉकलेट, स्टेशनरी सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में मंच की सदस्यों ने सेवा और संस्कार की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

मंच की संस्थापक डॉ. प्रतिभा



चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कन्या पूजन के धार्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए सेवा कार्यों की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि बालिकाओं के प्रति सम्मान, स्नेह और संवेदनशीलता व्यक्त करने का

अवसर भी है।

समाज में सेवा और संस्कारों की भावना को मजबूत करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। मंच की सचिव डॉ. राजरानी शर्मा ने कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से सेवा और संस्कार की इस पावन परंपरा को सभी

बहनों ने मिलकर आगे बढ़ाया है। इस प्रकार के आयोजन समाज में सहयोग और सेवा भाव को प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान सुमन शर्मा व कृष्णा शर्मा ने रैक भेंट की, रंजना शर्मा ने फल, अनीता तिवारी ने बालिकाओं के लिए ब्रश एवं पेस्ट तथा विभा शुक्ला ने स्टेशनरी सामग्री प्रदान की। अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सुमन शर्मा, कृष्णा विश्राम शर्मा, रश्मि त्रिपाठी, ज्योति शर्मा, पल्लवी शर्मा, नीतू उपमन्यु, अनीता तिवारी, दीप्ति शर्मा, रंजना शर्मा, स्मिता पांडे, जया गर्ग, श्रुति उपाध्याय एवं विभा शुक्ला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

सारनाथ में जूही महिला कल्याण समिति का वार्षिक अधिवेशन, विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी, जीएनएस। सारनाथ स्थित सारंगनाथ महादेव मंदिर परिसर में सोमवार को जूही महिला कल्याण समिति की ओर से वार्षिक अधिवेशन एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया 7 कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नौ कन्याओं का पूजन कर एवं उन्हें उपहार भेंट करके किया गया 7 इस पहल के माध्यम से बेटियों के सम्मान, नारी शक्ति के महत्व और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया 7 कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशाल भंडारे में गरीब, असहाय, वृद्ध और जरूरतमंदों सहित एक हजार से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया 7 आयोजन के माध्यम से समिति ने सामाजिक सेवा, मानवीय

संवेदना और जरूरतमंदों की सहायता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय मिश्रा ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जूही महिला कल्याण समिति समाजसेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत कर रही है वहीं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी डॉ. पीयूष यादव एवं प्रदीप गुप्ता, प्रदीप जायसवाल और सोनू तिवारी ने भी संस्था के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की 7

कार्यक्रम में कन्या पूजन और भंडारे के माध्यम से समाज में सेवा, सम्मान और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया 7 आयोजन में श्रद्धालुओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

ग्रामीणों के विरोध के बाद प्रशासन ने लगाई रोक, दूसरे रास्ते से बालू परिवहन करने की हिदायत

जालौन, जीएनएस। तहसीलदार एवं खनिज अधिकारी ने यमुना के घाटों का निरीक्षण कर मौजूद ग्रामीणों को आश्वासन दिया महेवा ब्लॉक क्षेत्र के देवकली गांव की सड़क से अब बालू लदे भारी वाहनों का आवागमन नहीं होगा सड़क की बदहाल स्थिति और ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए शुक्रवार को मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने बालू घाट संचालकों को इस मार्ग से परिवहन बंद करने की हिदायत दी अधिकारियों ने घाट संचालकों को बालू ढुलाई के लिए दूसरे रास्ते की व्यवस्था करने की सलाह दी है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सड़क का निर्माण नहीं कराया जाता, तब तक वे इस मार्ग से खनन संबंधी वाहनों का आवागमन नहीं होने देंगे शासन की

ओर से महेवा ब्लॉक क्षेत्र के हीरापुर में यमुना नदी पर सात खनन पट्टे जारी किए गए हैं इनमें से खंड संख्या दो और तीन के संचालकों ने गत जनवरी माह में खनन कार्य शुरू किया था इसके बाद बालू लदे ट्रकों और अन्य भारी वाहनों का आवागमन देवकली गांव की सड़क से होने लगा लगातार भारी वाहनों की आवाजाही के चलते सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसका खामियाजा देवकली और हीरापुर गांव के ग्रामीणों को भुगतना पड़ा सड़क टूटने के कारण बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो गई थी। सड़क पर कीचड़ और गंदगी फैलने से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया था। कई बार लोगों को जरूरी कामों के लिए आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, रास्ता खराब होने के

कारण बच्चों की स्कूल तक पहुंच भी प्रभावित हुई। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क की हालत लगातार बिगड़ती गई, लेकिन उनकी समस्या का समय रहते समाधान नहीं किया गया ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत और निर्माण की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भी सौंपे थे। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई। ग्रामीणों का कहना है कि खनन और बालू परिवहन के कारण गांव की सड़क खराब हुई है, इसलिए पहले सड़क को दुरुस्त कराया जाना चाहिए गुरुवार को जब घाट संचालक खनन मशीनें लेकर मौके पर पहुंचे तो ग्रामीण एकजुट होकर विरोध में उतर आए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सड़क का निर्माण कराए

बिना खनन कार्य शुरू नहीं होने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने सड़क की बदहाली को अपनी प्रमुख समस्या बताते हुए कहा कि भारी वाहनों के आवागमन से गांव के लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। घाट संचालकों की ओर से प्रशासन और पुलिस के माध्यम से ग्रामीणों पर दबाव बनाने का प्रयास भी किया गया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे शुक्रवार को मामले का संज्ञान लेते हुए तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा न्यायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला क्षेत्रीय लेखपाल योगेश कुमार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और खनिज विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सड़क की स्थिति का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

संत नरहरी चेतना मंच ने स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए पांच जिलों में नियुक्त किए प्रभारी

वाराणसी, जीएनएस। वाराणसी शिक्षक एवं स्नातक खंड के आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर संत नरहरी चेतना मंच ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है 7 संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता किशन सेठ के दिशा-निर्देश तथा प्रदेश प्रभारी कमलेश सोनी की संस्तुति पर प्रदेश महासचिव अरुण सोनी बब्बू ने पांच जिलों में प्रभारियों की नियुक्ति की है 7 इस पहल का उद्देश्य चुनाव में समाजवादी पार्टी के



अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाना और उन्हें जीत दिलाने के लिए प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाना है। प्रदेश महासचिव अरुण सोनी बब्बू ने नवनियुक्त प्रभारियों को निर्देशित

किया कि वे अपने-अपने जिलों में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष एवं विधानसभा अध्यक्षों से समन्वय स्थापित करें 7 इसके साथ ही क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क कर मतदाताओं को समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करें उन्होंने कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपसी तालमेल के साथ चुनावी अभियान को गति दें और प्रत्याशियों की जीत

सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें 7 साथ ही सभी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे जनसंपर्क एवं चुनावी गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को प्रस्तुत करेंगे 7 संत नरहरी चेतना मंच ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त प्रभारी संगठन की जिम्मेदारियों का पूरी सक्रियता से निर्वहन करते हुए समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाएंगे।

शबरी की भक्ति, श्रीराम-सुग्रीव की मित्रता और बाली वध की लीला ने मोहा मन

ग्वालियर, जीएनएस। नव दुर्गा रामलीला सेवा समिति, सेक्टर-सी, दीन दयाल नगर द्वारा आयोजित 17वें भव्य रामलीला समारोह के छठवे दिवस शबरी भक्ति, सुग्रीव मित्रता एवं बाली वध की लीलाओं का मनोहारी मंचन श्री गोदान सरकार कला मंडल के कलाकारों द्वारा किया गया। रामलीला के दौरान प्रभु



श्रीराम की भक्ति, प्रेम और मित्रता के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने बताया

कि छठवे दिवस की लीला में भक्त शबरी की अटूट श्रद्धा और प्रभु श्रीराम के प्रति उनके निष्कपट प्रेम का हृदयस्पर्शी दृश्य प्रस्तुत किया गया। जब माता शबरी ने प्रभु श्रीराम को प्रेमपूर्वक बेर अर्पित किए, तो इस प्रसंग ने दर्शकों को भक्ति और समर्पण का संदेश दिया। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना

दिया। इसके पश्चात भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता के प्रसंग का सजीव मंचन किया गया। श्रीराम द्वारा सुग्रीव को न्याय दिलाने का संकल्प तथा बाली वध की रोमांचक लीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला मैदान में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

करेरा में पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल चोरी की शिकायतें, उपभोक्ता परेशान ; विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

पहले मिलावट की आशंका, अब कम पेट्रोल मिलने की शिकायतें! मंडी क्षेत्र के पेट्रोल पंप को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी, जांच और कार्रवाई की मांग। शिवपुरी, जीएनएस। करेरा में पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की कथित चोरी और कम मात्रा में ईंधन मिलने की शिकायतें उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा रही हैं। वाहन चालक पहले से ही पेट्रोल की गुणवत्ता और गाड़ियों का अपेक्षित एवरेज नहीं मिलने को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में पेट्रोल भरवाते समय निर्धारित मात्रा से कम ईंधन मिलने की शिकायतें सामने आना गंभीर सवाल खड़े करता है।

स्थानीय स्तर पर मंडी क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप को लेकर लगातार शिकायतें मिलने की बात कही जा रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि पेट्रोल भरवाने के बाद भी उन्हें पूरी मात्रा मिलने को लेकर संदेह रहता है। हालांकि, इन शिकायतों

की आधिकारिक जांच और पुष्टि होना अभी आवश्यक है।

आखिर उपभोक्ताओं की शिकायतों पर कार्रवाई कब होगी? यदि पेट्रोल पंपों पर निर्धारित मात्रा से कम ईंधन दिया जा रहा है या पेट्रोल की गुणवत्ता में गड़बड़ी है, तो यह उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। ऐसे मामलों में नापतौल विभाग और संबंधित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारियों को जांच कर पेट्रोल की मात्रा, मशीनों की सील और ईंधन की गुणवत्ता की नियमानुसार जांच करनी चाहिए। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग इन शिकायतों को गंभीरता से लेकर जांच करेगा? क्या पेट्रोल पंपों की नियमित निगरानी की जाएगी, या उपभोक्ता इसी तरह परेशान होते रहेंगे? जनहित में मांग- संबंधित विभाग मंडी क्षेत्र के पेट्रोल पंप सहित शिकायत वाले अन्य पंपों की निष्पक्ष जांच करे। अनियमितता प्रमाणित होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी

का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर 0751-2625029 9074257600

शिवपुरी 07492-232149 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

अनाज भरपूर फिर भी पेट खाली हैं?

धरती के आँचल में सोना, खेतों में लहराता दाना, फिर भी %भूखे पेट% दुनिया, यह कैसा ताना-बाना? गोदामों में अनाज भरा है, भूख का लेकिन पहरा, किसके हिस्से में %रोटी%, किसके हिस्से अँधियारा? कहीं अन्न सड़ता रहता, कहीं बचपन भूखा सोता, कहीं थाल सजे पकवान से, निवाला ख्वाब होता। जब इतना अनाज दुनिया में, %भूख% विस्तार क्यों? धरती देती अन्न अपार, तो खाली पेट कतार क्यों? न कोई बच्चा भूखे सोए, न कोई माता लाचार रहे, हर इंसान की थाली में, %पोषण का अधिकार% रहे। नवाचार राह अपना, मिलकर %हम% मिसाल बनाएँ, अन्न के हरेक दाने का, सही उपयोग करना सीखें।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

शिक्षकों की अनूठी पहल, अब बच्चों के साथ यूनिफॉर्म में नजर आएगा पूरा स्टाफ

खोड़/पिछोर।

शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन, एकरूपता और सकारात्मक बदलाव की दिशा में पिछोर जनपद के शासकीय माध्यमिक विद्यालय खोड़ ने एक सराहनीय पहल की है। अब इस विद्यालय में केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि शिक्षकगण भी निर्धारित यूनिफॉर्म में नजर आ रहे हैं। विद्यालय के समस्त स्टाफ का एकसाथ ड्रेस कोड में दिखाई देना शिक्षा जगत में एक सकारात्मक संदेश दे रहा है।

इस अभिनव पहल की शुरुआत शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय खोड़ के



प्रधानाध्यापक मो. इरशाद कुरैशी ने की है। उनकी पहल पर विद्यालय के शिक्षक एक निर्धारित ड्रेस कोड में विद्यालय पहुंच रहे हैं। इतना ही नहीं, शिक्षक अपने गले में पहचान पत्र (आईकार्ड) भी धारण कर रहे हैं, जो विद्यालय में अनुशासन, जिम्मेदारी और व्यावसायिक

पहचान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बच्चों के साथ शिक्षक भी बनेंगे अनुशासन की मिसाल: सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म में देखा जाता है, लेकिन खोड़ के इस विद्यालय में शिक्षकों ने भी ड्रेस कोड अपनाकर एक नई मिसाल

पेश की है। शिक्षकों का एकसमान परिधान विद्यार्थियों के सामने अनुशासन, समानता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश प्रस्तुत करता है।

इस पहल का उद्देश्य केवल पहनावे में एकरूपता लाना नहीं, बल्कि विद्यालय में सकारात्मक वातावरण विकसित करना और शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुशासन का व्यावहारिक उदाहरण देना भी है।

विद्यालय परिसर में ड्रेस कोड और आईकार्ड के साथ नजर आ रहे समस्त स्टाफ की तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है। यह पहल दूसरे शासकीय विद्यालयों के लिए भी प्रेरणा बन

सकती है। यदि शिक्षक स्वयं अनुशासन और एकरूपता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ सकता है।

इस पहल को मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में अपनी तरह की पहली पहल बताया जा रहा है, हालांकि प्रदेश में इसकी पहली होने की आधिकारिक पुष्टि अभी आवश्यक है। खोड़ के शासकीय माध्यमिक विद्यालय की यह पहल एक संदेश देती है कि शिक्षा में बदलाव केवल योजनाओं और निर्देशों से नहीं, बल्कि शिक्षकों की इच्छाशक्ति, नेतृत्व और सकारात्मक सोच से भी संभव है।

वृंदावन की कृष्णकाली पीठ में शारदीय नवरात्रि पर शतचंडी महोत्सव की धूम

डॉ गोपाल चतुर्वेदी

वृंदावन। धर्मनगरी वृंदावन के गोपीनाथ बाजार स्थित कृष्णकाली पीठ में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर शतचंडी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मां कृष्ण काली के दर्शन कर रहे हैं और पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों के चलते भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

महोत्सव के संबंध में

जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि कृष्णकाली पीठ में मां कृष्ण काली की विशेष महिमा है। मान्यता है कि सच्चे मन से मां के दर्शन और आराधना करने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति एवं मनोबल प्राप्त होता है। इसी आस्था के चलते वर्षभर मंदिर में भक्तों का आवागमन बना रहता है, जबकि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में विशेष वृद्धि होती है।

शारदीय और चैत्र नवरात्रि में होता है विशेष आयोजन कृष्णकाली पीठाधीश्वर डॉ.

केशवाचार्य महाराज के अनुसार, शारदीय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि के अवसर पर शतचंडी महायज्ञ का वृहद स्तर पर आयोजन किया जाता है।

इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना तथा विभिन्न सेवा कार्यक्रम संपन्न होते हैं। आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु, धर्माचार्य और गणमान्य व्यक्ति भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि धार्मिक परंपराओं के अंतर्गत बालक-बालिकाओं का पूजन-अर्चन कर उन्हें सम्मानपूर्वक भोजन एवं प्रसाद ग्रहण कराया जाता है।

लियो क्लब ग्वालियर गलव नेक्स्ट जेन द्वारा महिलाओं की आत्मरक्षा हेतु 'शक्ति स्ट्राइक्स' कार्यशाला का आयोजन

ग्वालियर, जीएनएस।

लियो क्लब ग्वालियर गलव नेक्स्ट जेन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला 'शक्ति स्ट्राइक्स' का सफल आयोजन किया गया।

LEO का अर्थ है Leadership (नेतृत्व), E&perience (अनुभव) और Opportunity (अवसर)। यह लायंस क्लब्स इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित एक युवा संगठन है, जो 18 से 30 वर्ष की आयु के युवाओं को नेतृत्व करने, समाज सेवा करने तथा अपने समुदायों में

सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यशाला का आयोजन चैंपियंस स्कू फिटनेस क्लब के सहयोग से किया गया। क्लब के प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों एवं मार्शल आर्ट्स की बुनियादी गतिविधियों से परिचित कराया, जिन्हें दैनिक जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में सीखकर उपयोग में लाया जा सकता है। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया तथा व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने वाली तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। नवरात्रि के सातवें दिन

आयोजित इस कार्यशाला का विशेष महत्व रहा। यह आयोजन नारी शक्ति, साहस और सशक्तिकरण के उत्सव के रूप में समर्पित था। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को आत्मविश्वास बढ़ाने, आत्मरक्षा के व्यावहारिक कौशल विकसित करने तथा एक सुरक्षित समाज के निर्माण की दिशा में एक-दूसरे का सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 'शक्ति स्ट्राइक्स' के माध्यम से लियो क्लब ग्वालियर गलव नेक्स्ट जेन ने समाज के लिए सार्थक पहल करने, व्यक्तियों को सशक्त बनाने तथा सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया।

21वाँ आई.टी.एम. उदभव उत्सव 24 से 27 अक्टूबर तक

ग्वालियर, जीएनएस।

संगीत और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व में विशिष्ट पहचान रखने वाले ग्वालियर में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय कला और संस्कृति का भव्य संगम होने जा रहा है। उदभव सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान और आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 21वाँ आई.टी.एम. "उदभव उत्सव" अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक ओलंपियाड 2026 का आयोजन 24 से 27 अक्टूबर तक किया जाएगा। चार दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के कलाकार नृत्य, वाद्य संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही मॉडल यूनाइटेड नेशन ; रूह समिट युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेंगे।

आयोजन में ऑपरेशन सिंदूर के प्रमुख स्तंभ, भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एवं मैरीटाइम फाउंडेशन के चेयरमैन एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी (क्लूस्करूहुरु) भारत में मंगोलिया के राजदूत उलजीत लवसेनजाव तथा सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री नलिनी-कमलनी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

ग्वालियर को अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक पहचान दिलाने का प्रयास



गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) योगेश उपाध्याय और उदभव के सचिव दीपक तोमर ने बताया कि "उदभव उत्सव" केवल एक सांस्कृतिक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विभिन्न देशों और भारतीय राज्यों की कला, परंपराओं तथा युवा प्रतिभाओं को जोड़ने वाला मंच है। इसका उद्देश्य ग्वालियर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना और युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना तथा भारतीय युवा कलाकारों को वैश्विक मंच प्रदान करना है।

इस वर्ष स्लोवाकिया और रूस सहित भारत के तमिलनाडु, तेलंगाना, असम, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, संगीत और कलात्मक अभिव्यक्तियाँ इस आयोजन को विविध संस्कृतियों के

उत्सव का स्वरूप देंगी।

भव्य कार्निवाल से होगा उत्सव का शुभारंभ

आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ.ओमवीर सिंह और उदभव के उपाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाहा ने बताया कि 24 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे भव्य कार्निवाल के साथ उत्सव का शुभारंभ होगा। कार्निवाल थीम रोड से होते हुए जीवाजी क्लब पहुंचेगा। कार्निवाल में देश-विदेश के प्रतिभागी अपनी पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विविध संस्कृतियों की झलक पेश करेंगे। इसी दिन सायंकाल 6 बजे जीवाजी क्लब में "21वें आई.टी.एम. उदभव उत्सव" का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा।

नृत्य, संगीत और वैश्विक संवाद का अनूठा संगम

25 अक्टूबर को आई.टी.एम. विश्वविद्यालय के तुरारी परिसर में समूह नृत्य, वाद्य संगीत प्रतियोगिताओं और मॉडल यूनाइटेड नेशन (रूह) समिट का आयोजन

होगा। रूह के माध्यम से विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, कूटनीति और वैश्विक चुनौतियों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे तथा संवाद और नेतृत्व कौशल विकसित करेंगे।

26 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से एकल नृत्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। सायंकाल 5 बजे से नाद मुक्ताकाश रंगमंच पर प्रतिभागियों की विशेष प्रस्तुतियाँ होंगी। 27 अक्टूबर को प्रातः कालीन सत्र के बाद सायंकाल 5 बजे से नाद मुक्ताकाश रंगमंच, सिथौली में भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

संस्कृति के माध्यम से एकता और सद्भाव का संदेश

उदभव उत्सव का उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद, आपसी सम्मान और सद्भाव को बढ़ावा देना है। यह मंच युवा कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ दूसरे देशों और भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक परंपराओं को जानने और समझने का अवसर भी देगा। ज्ञात हो



माता के 9 स्वरूपों के दर्शन एवं महाआरती का भव्य उत्सव मनाया गया

सरस्वती शिशु मंदिर बादलगढ़, ग्वालियर में दिनांक 16-10-2026 को माता बहनों द्वारा गरबा और रास की मनमोहक प्रस्तुति तथा माता के 9 स्वरूपों के दर्शन एवं महाआरती का भव्य उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की आचार्य दीदी श्रीमती रजनी भगत एवं परिचय रूपाली श्रीवास्तव दीदी द्वारा किया गया। स्वागत राखी श्रीवास्तव और सीमा तोमर दीदी द्वारा कराया गया। कार्यक्रम की अतिथि श्रीमती ज्योति वोहरा, नगर निगम सहायक यंत्री (एसडीओ) एवं वार्ड नंबर 13 की पार्षद श्रीमती ज्योति दिनेश सिकरवार रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में मीना सचान, जूली चौहान, रेखा कुलश्रेष्ठ, प्रियंका चतुर्वेदी, लावण्या प्रभा शर्मा, प्रियंका भारद्वाज, समीक्षा परी उपस्थित रहीं। विद्यालय की संपूर्ण व्यवस्था प्राचार्य श्री विष्णु श्रीवास्तव एवं प्रबंधक श्री मनोज जी मिश्रा द्वारा संपन्न की गई।

स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करें

जनसमस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से करें : मुख्यमंत्री

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीएम समाधान कार्यक्रम में विभिन्न शिकायतकर्ताओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से करें। शिकायतों का प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए, जिससे नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

समाधान कार्यक्रम में लाइली लक्ष्मी योजना, आवास योजना के बिलों में गड़बड़ी, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना तथा नल-जल योजना से संबंधित शिकायतों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी डीपीओ श्री ओ.पी. पांडे को संबंधित प्रकरण में कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री अमर दाहिया को नल-जल योजना से संबंधित प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए कहा। ऊर्जा विभाग के उप महाप्रबंधक श्री रघुवीर सिंह को शिकायत का समय पर निराकरण नहीं होने पर लघु शास्ति अधिरोपित करने के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त श्री सत्येन्द्र धाकरे को नगरीय निकायों से संबंधित प्रकरणों का अभिलेख तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा आमजन से जुड़े मूलभूत विषयों और शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान कर दिया जाए, तो शिकायतों की संख्या में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों के कार्यों की निगरानी की जाती है और प्रस्तुत प्रतिवेदनों में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन और प्रशासन का मूल उद्देश्य जनता के हित में कार्य करना तथा उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करना है। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो और प्रत्येक शिकायत का निराकरण संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के

साथ किया जाए।

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनविश्वास अभियान के अंतर्गत मुरैना कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, कृषि एवं पशुपालन, सहकारिता, पर्यटन, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा जनसमस्याओं के निराकरण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह समिति जिले के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। जनप्रतिनिधि जिले की आवश्यकताओं, समस्याओं, संभावनाओं और विकास से संबंधित अपने सुझाव समिति के माध्यम से प्रस्तुत करें, ताकि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप योजनाएं तैयार कर उन्हें प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विकास कार्यों की समीक्षा करें, स्थानीय समस्याओं एवं कठिनाइयों को समझें तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और जनहित में नवाचार करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि विकास की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ आमजन तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को दें प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुरैना जिले में औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। यहां स्थापित हो रही औद्योगिक इकाइयों से स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रस्तावित उद्योगों से उनकी मानव संसाधन संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी पहले ही प्राप्त कर ली जाए और उसी के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण दिलाया जाए, ताकि इकाइयों में उत्पादन प्रारंभ होने के साथ ही प्रशिक्षित स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लास विनिर्माण इकाई का उदाहरण देते



हुए कहा कि इस प्रकार की बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा करती हैं। ऐसे उद्योगों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन तैयार करना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पराली से औद्योगिक उत्पाद तैयार करने वाली इकाइयों की सराहना करते हुए कहा कि कृषि अपशिष्ट का उपयोग कर नए उत्पाद बनाने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया कि वे नवाचार करने वाले उद्यमियों का उत्साहवर्धन करें, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुरैना में फूड पार्क विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए। इससे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा किसानों के उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त करने के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगों का विस्तार स्थानीय संसाधनों और उपलब्ध संभावनाओं के अनुरूप किया जाना चाहिए, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था मजबूत हो और युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार मिल सके।

दुग्ध उत्पादन, पशुपालन एवं सहकारिता को मिले प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य दुग्ध उत्पादन, पशुपालन और कृषि को प्रोत्साहित करते हुए किसानों एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। इसके लिए सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा छोटे दुग्ध उत्पादकों को संगठित रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांवों में दुग्ध उत्पादकों को सहकारी समितियों के माध्यम से जोड़ने से दूध का

संग्रहण एवं विपणन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। इससे छोटे पशुपालकों को बाजार उपलब्ध होगा और उनकी आय बढ़ाने के अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृंदावन ग्राम की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि देशी नस्ल की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि वृंदावन ग्राम के माध्यम से गौपालन, दुग्ध उत्पादन और सहकारी गतिविधियों को प्रोत्साहन देकर गांवों में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत गोशाला में 500 गायों के रखरखाव की परिकल्पना है। गायों के पालन-पोषण के लिए प्रति गाय प्रतिदिन 40 रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने गोशालाओं के संचालन एवं प्रबंधन की व्यवस्था की समीक्षा करने तथा प्रत्येक जिले में इनकी स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। साथ ही पशुओं की नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान और बेहतर नस्लों के संवर्धन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सहकारी संस्थाओं के माध्यम से दुग्ध संग्रहण को व्यवस्थित करने से मुरैना जिले में पशुपालकों की आय बढ़ाने की अच्छी संभावनाएं हैं।

यशस्वी संवाद में मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से किया संवाद, किसानों के नवाचार और खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों की सराहना मुख्यमंत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित यशस्वी संवाद में प्रगतिशील किसानों एवं कृषि आधारित उद्यमियों से संवाद कर उनके कार्यों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से लाभान्वित उद्यमी से उन्होंने शहद उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और निर्यात संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती एवं जैविक उत्पादों की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक कृषि के साथ मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण से जुड़ी गतिविधियों के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से भी संवाद किया और उनके द्वारा तैयार किए जा रहे जैविक गुड़ सहित अन्य उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि महिला स्वसहायता समूहों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पर्यटन, वेल्नेस एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुरैना जिले में पर्यटन के साथ ही जिले में प्राकृतिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन के साथ मेडिकल टूरिज्म और वेल्नेस सेंटर विकसित करने की भी व्यापक संभावनाएं हैं। आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित वेल्नेस केंद्रों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी निवेश से स्थापित एसआर मेडिकल कॉलेज का जिक्र करते हुए कहा कि सीट आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा चिकित्सा पर्यटन की संभावनाएं भी विकसित होंगी।

मुख्यमंत्री ने की यशस्वी संवाद में उपस्थित 5 खिलाड़ियों को पुरस्कार देने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले की खेल प्रतिभाओं से संवाद कर उनके अनुभवों और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना तथा उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को दो-दो लाख रुपये तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एक-एक लाख

रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। मुरैना जिले के 5 खिलाड़ियों से श्री भारत रावत, श्री सौरभ रजक, सुश्री रिकी, नंदनी चौहान एवं अकिता कुशवाहा से संवाद किया और उन्हें पात्रता अनुसार पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में जिला विकास समिति, जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर मिल सके।

विभिन्न विषयों की समीक्षा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले की विकास संबंधी आवश्यकताओं, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, जनसमस्याओं तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और प्रगति के नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सरकार भी इन्हीं संकल्पों के अनुरूप किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उद्योगों को प्रोत्साहित करने तथा पर्यटन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य कर रही है। विकास योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कषाना, सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर, सबलगाढ़ विधायक श्रीमती सरला रावत, मुरैना विधायक श्री दिनेश गुर्जर, जौरा विधायक श्री पंकज उपाध्याय, अंबाह विधायक श्री देवेन्द्र सखवार, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. सुदाम खांडे, चम्बल आयुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी श्री सचिन अतुलकर, डीआईजी श्री सुनील कुमार जैन, कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, श्री कमलेश कुशवाहा, श्री मोहर सिंह कषाना, सुश्री मधुरिमा तोमर, पूर्व मंत्री श्री गिराज डंडोटिया, पूर्व विधायक श्री राकेश मावई, श्री रघुराज सिंह कषाना, श्री कमलेश जाटव, श्री सूबेदार सिंह रजौधा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पोषण जोड़ो - पुड़िया छोड़ो के उदघोष के साथ लिया नशामुक्ति का संकल्प

श्रयोपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समुदाय को पोषण जोड़ो-पुड़िया छोड़ो के उदघोष के साथ हाथ उठाकर नशामुक्ति का संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत विजयपुर के अग्रा में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सुश्री शीला

दाहिमा द्वारा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से वन टू वन चर्चा करते हुए उनकी मांगों और समस्याओं का समाधान किया गया। इसके साथ ही योजनाओं में लाभ का वितरण करने की कार्यवाही की गई।

उप तहसील भवान अग्रा में आयोजित जनसंवाद के दौरान वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री राम

निवास रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, सहरिया विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष श्री तुरसानपाल बैरैया, सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, एसडीएम श्री अभिषेक मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ जनपद श्री पवन घरेया, एसडीओपी श्री राघवेंद्र सिंह तोमर, भाजपा जिला महामंत्री श्री

अरविन्द जादौन, मंडल अध्यक्ष श्री शुभम मुद्गल, श्री परीक्षित धाकड़, श्री कैलाश सिरोटिया, श्री अखिलेश शर्मा, सरपंच श्री मुकेश राठौर सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों की मांग पर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि उनके के माध्यम से आयुक्त लोक शिक्षण को हाई

स्कूल अग्रा का उन्नयन हायर सेकेंडरी में किए जाने हेतु डीओ लेटर भेजा जाए। इसके साथ ही उन्होंने अग्रा तहसील में कामकाज की शुरुआत करने के निर्देश भी दिए।

युवाओं द्वारा उठाई गई मांग पर सीईओ जनपद को निर्देशित किया गया कि खेल मैदान की क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवाल की मरम्मत कराई जाए। इसके साथ ही मगरदेह

में विद्युत अब स्टेशन का निर्माण शीघ्रता से कराने, अग्रा रेंज ऑफिस के पास हैंडपंप खनन कराने, पालपुर में बिजली लाइन की दुरुस्त करने के निर्देश संबंधितों को दिए गए। जनसंवाद के दौरान 60 आवेदन प्राप्त हुए जिन पर एक एक कर चर्चा करते हुए, निराकरण अथवा निराकरण करने की कार्यवाही प्रचलित की गई।

‘बेटी है तो कल है’ संस्था ने 38 उत्कृष्ट छात्राओं को किया सम्मानित, मेडल और प्रमाणपत्र देकर बढ़ाया उत्साह

देश की उन्नति में अहम भूमिका निभाएंगी बेटियां : डॉ. वंदना

ग्वालियर जीएनएस
‘बेटी है तो कल है’ सामाजिक संस्था की ओर से गोले का मंदिर स्थित श्री राधा वल्लभ एकेडमी स्कूल में उत्कृष्ट छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 38 उत्कृष्ट छात्राओं को मेडल पहनाकर और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा के साथ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने की। मुख्य अतिथि वार्ड

क्रमांक 21 के पार्षद बृजेश श्रीवास तथा विशिष्ट अतिथि वार्ड क्रमांक 20 के पार्षद जितेंद्र सिंह कुशवाह, भाजपा महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष आशु श्रीवास और डीसी तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन कर किया। इसके बाद विद्यालय के संचालक आशीष मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने कहा कि बेटियां देश का भविष्य हैं और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें बेहतर



शिक्षा तथा आगे बढ़ने के समान अवसर देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ संदेश को घर-घर तक

पहुंचाना है। नवरात्रि में 38 उत्कृष्ट छात्राओं का सम्मान इसी दिशा में एक प्रयास है। बेटियां शिक्षित और आत्मनिर्भर बनेंगी तो देश की उन्नति में अहम भूमिका निभाएंगी।

आशु श्रीवास ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बेटियों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। जितेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि

नवरात्रि के पावन अवसर पर छात्राओं का सम्मान करना सराहनीय पहल है। पार्षद बृजेश श्रीवास ने कहा कि संस्था का नाम और कार्य दोनों ही समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं। छात्राओं को सम्मानित कर सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन पूनम ने किया, जबकि आभार आशीष मिश्रा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रेमलता वैश, गायत्री गुप्ता, ईशा शर्मा, प्रतिभा कदम, बीना मैम, इंदिरा मैम, पूनम गुर्जर, पूनम शर्मा, रितु शर्मा, चंचल गुप्ता, रानू बाथम, दीक्षा अग्निहोत्री, आरती उपाध्याय, पवन थापक, लकी कपूर सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

रानी लक्ष्मीबाई के साथ बलिदान देने वाले संतों के शस्त्रों की होगी पूजा

गंगादास की बड़ी शाला में आज मनेगी विजयादशमी, शस्त्रों का भी होगा पूजन

ग्वालियर जीएनएस
शहर के ऐतिहासिक सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में 20 अक्टूबर को विजयादशमी पारंपरिक उत्साह और धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई के साथ अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए बलिदान देने वाले संतों के शस्त्रों का पूजन किया जाएगा। साथ ही शाला की प्राचीन तोप चलाई जाएगी और साधु-संत शस्त्र संचालन का प्रदर्शन करेंगे।

लक्ष्मीबाई कॉलोनी, पड़ाव स्थित सिद्धपीठ में दोपहर 12 बजे उत्सव का शुभारंभ होगा। शाला के महंत पून वैराठी और पीठाधीश्वर महंत रामसेवकदास जी महाराज के सानिध्य में अंचल के साधु-संत शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन करेंगे।

तीनों अनी अखाड़ों के निशानों की पूजा : शाला की परंपरा के अनुसार, 1857 के संग्राम में बलिदान देने वाले संतों के बरछी, कृपाण, कटारी, तलवार

और चिमटे सहित अन्य पारंपरिक शस्त्रों का पूजन किया जाएगा। इसके बाद निर्मोही, निर्वाणी और दिगंबर अनी अखाड़ों के निशानों की पूजा होगी। साधु-संत शस्त्र संचालन का प्रदर्शन कर शौर्य और पराक्रम की परंपरा का परिचय देंगे। इस आयोजन के माध्यम से धर्मरक्षा, त्याग और बलिदान के ऐतिहासिक प्रसंगों का स्मरण किया जाएगा। शाला प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

दशहरे पर जलेंगे बुराइयों के पांच पुतले

ग्वालियर जीएनएस
उदयभान रजक की ओर से 19 अक्टूबर को शाम 6 से 7 बजे तक कृषि उपज मंडी, लश्कर में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

आयोजित किया जाएगा। इसमें पांच पुतलों के माध्यम से आर्थिक अपराध और देशद्रोह, लव जिहाद और धर्मांतरण, नशा तस्करी और मिलावटखोरी, दुष्कर्म और साइबर अपराध तथा

जातिवाद और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को रेखांकित किया जाएगा। रजक ने कहा कि दशहरे पर रावण दहन के साथ वर्तमान समाज की बुराइयों के खिलाफ भी जागरूकता जरूरी है।

508वें उर्स के समापन पर सज्जादानशीन राशिद खानूनी ने की घोषणा

डॉ. ऐजाज खानूनी बने दरगाह के नायब सज्जादानशीन

ग्वालियर जीएनएस

प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा खानून साहब की दरगाह के नायब सज्जादानशीन पद पर डॉ. ऐजाज खानूनी को नियुक्त किया गया है। दरगाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी ने 508वें उर्स मेले के समापन पर आयोजित सभा में परंपरा के अनुसार अपने बड़े बेटे डॉ. ऐजाज खानूनी को नायब सज्जादानशीन घोषित किया। घोषणा के बाद मौजूद हजारों अकीदतमंदों ने खुशी जाहिर की।

नायब सज्जादानशीन बनने पर सबसे पहले सज्जादानशीन राशिद खानूनी ने डॉ. ऐजाज खानूनी की दस्तारबंदी की। इसके बाद दिल्ली स्थित दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया से आए जनाब नाजिम निजामी, पीरजादा साकिब



खानूनी, इंदौर के सूफी अजहर साहेब, टीकमगढ़ के रशीदुद्दीन, दरगाह हजरत बंदगी साहब के हाजी जमालुद्दीन, हजरत मोहम्मद हसन तथा हाफिज इस्माइल और हाफिज साजिद अली सहित विभिन्न दरगाहों के गद्दीनशीनों ने दस्तारबंदी कर उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर डॉ. ऐजाज खानूनी की कामयाबी और नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए दुआ की गई। अपने संबोधन में डॉ. ऐजाज ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक लंगर का आयोजन किया गया।

20 अक्टूबर को होगा कुंभकर्ण वध, राम-रावण युद्ध और श्रीराम राजतिलक का मंचन, 65 फीट ऊंचे रावण के पुतले का होगा दहन लक्ष्मण को लगी शक्ति, हनुमान लाए संजीवनी; जयकारों से गूंजा मैदान

ग्वालियर जीएनएस
नवदुर्गा रामलीला सेवा समिति, सेक्टर-सी, दीनदयाल नगर की ओर से आयोजित 17वें रामलीला समारोह में शनिवार को लक्ष्मण शक्ति और संजीवनी बूटी प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लक्ष्मण के मूर्छित होने और हनुमान जी के संजीवनी बूटी लेकर पहुंचने के प्रसंग के दौरान रामलीला मैदान जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा।

मंचन में दिखाया गया कि युद्धभूमि में मेघनाद और लक्ष्मण के बीच भीषण युद्ध होता है। जब मेघनाद के अन्य अस्त्र-शस्त्र लक्ष्मण को पराजित नहीं कर पाते, तो वह शक्तिबाण का प्रयोग करता



है। शक्तिबाण लगते ही लक्ष्मण मूर्छित होकर भूमि पर गिर पड़ते हैं। भाई की यह स्थिति देखकर प्रभु श्रीराम व्याकुल हो जाते हैं और रामदल में शोक छा जाता है।

इसके बाद वैद्य सुषेण लक्ष्मण के उपचार के लिए संजीवनी बूटी लाने की सलाह देते हैं। प्रभु श्रीराम की आज्ञा पाकर पवनपुत्र हनुमान संजीवनी की खोज में निकलते हैं और उसे

लाकर लक्ष्मण के प्राण बचाते हैं। लक्ष्मण के स्वस्थ होते ही रामदल में खुशी छा जाती है। इस प्रसंग के मंचन पर दर्शकों ने जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारे लगाए।

कार्यक्रम में मधुसूदन भदौरिया, प्रमोद चौधरी, राहुल भदौरिया, अंकिता अग्निहोत्री, अभय चौधरी, अनिरुद्ध चौहान, भानु प्रताप सिंह जादौन, डॉ.

अरविंद मित्तल, अरविंद बाजपेई, शिशुपाल सिंह कुशवाह, पार्षद जितेंद्र कुशवाह, रणविजय सिंह कुशवाह, डीपी चौहान, भारत परिहार, रामगोपाल चौधरी, बनवारी श्रीवास्तव, रविंद्र कुशवाह, ओमकुमार और सत्य प्रकाश यादव सहित समिति के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

आज सिंधिया होंगे रामलीला समारोह में शामिल : समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने बताया कि 19 अक्टूबर को शाम 8 बजे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रामलीला मैदान, सेक्टर-सी, दीनदयाल नगर में आयोजित समारोह में शामिल होंगे।



लक्ष्मण शक्ति प्रसंग का मंचन, 20 को जलेगा 65 फीट का रावण

ग्वालियर जीएनएस। नवदुर्गा रामलीला सेवा समिति, दीनदयाल नगर की ओर से आयोजित 17वें रामलीला समारोह में शनिवार को लक्ष्मण शक्ति और संजीवनी बूटी प्रसंग का मंचन किया गया। मेघनाद के शक्तिबाण से लक्ष्मण के मूर्छित होने और हनुमान जी के संजीवनी लाकर उनके प्राण बचाने के प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मैदान जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने बताया कि 19 अक्टूबर को केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समारोह में शामिल होंगे। 20 अक्टूबर को रात 10 बजे कुंभकर्ण वध, राम-रावण युद्ध और श्रीराम राजतिलक का मंचन होगा। विजयदशमी पर 65 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन और आतिशबाजी होगी।